RADIANT ACADEMY
(AFFILIATED TO CBSE)
B-180, sector-55, noida Ph: 120-4314312/ 6514636
Mob. : 9350251631/ 9674710772 E-mail: radiantacademynoida@yahoo.com
RADIANT ACADEMY
(J.H.S.) (AFFILIATED TO CBSE)
Sorkha, Sector- 115, noida on Fng Ph: 120- 6495106,
Mob. : 9873314814/ 9674710772 E-mail: radiantacademysorkha@yahoo.com
Let your child Explore the world with us in a Secure Environment!
We are a Co-Educational Medium Senior Secondary School
imparting quality education since the last 20 years.
FROM ADMISSION OPEN NURSERY TO CLASS XI Transport Facility Available
FACILITIES AVAILABLE AT SCHOOL : ●Highly Qualified And Trained Faculty
well Quipped Labs ●CCTV Controlled Environment ●Activity Based Learning
● Well Equipped Library ●GPS Enable Buses

आज की खबर आज ही
जनाकांक्षाओं का सजग प्रहरी
चेतना मंच

पेज 7
अर्शिन मेहता ने की कड़ी मेहनत..

वर्ष : 26 अंक : 249 website:www.chetnamanch.com नोएडा, शनिवार, 31 अगस्त, 2024 Chetna Manch Chetna Manch मूल्य 2.00 रुपया पेज: 8

महिलाओं की सुरक्षा पर कड़े कानून बने : प्रधानमंत्री

दिल्ली में न्यायपालिका पर दो दिवसीय सम्मेलन का उद्घाटन

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारत मंडपम में जिला न्यायपालिका के दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन के उद्घाटन समारोह को संबोधित किया। उन्होंने कहा, 'सुप्रीम कोर्ट के 75 साल, यह सिर्फ एक संस्था की यात्रा नहीं है। यह भारत के संविधान और उसके संवैधानिक मूल्यों की यात्रा है। यह लोकतंत्र के रूप में भारत के और अधिक परिपक्व होने की यात्रा है।'

सम्मेलन में प्रधानमंत्री ने महिला सुरक्षा पर बड़ी बात कही। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, 'आज महिलाओं पर अत्याचार, बच्चों की सुरक्षा समाज की गंभीर चिंताएं हैं। महिलाओं की सुरक्षा के लिए देश में कई सख्त कानून बनाए गए हैं, लेकिन हमें इसे और अधिक सक्रिय बनाने की जरूरत है। महिलाओं पर अत्याचार से जुड़े मामलों में जितनी तेजी से फैसले लिए जाएंगे, आधी आबादी को सुरक्षा का उतना ही भरोसा मिलेगा।'

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि आजादी के अमृतकाल में 140 करोड़ देशवासियों का एक ही सपना है- विकसित भारत, नया भारत। नया भारत यानी- सोच और संकल्प में आधुनिक भारत। हमारी न्यायपालिका इस विजन का मजबूत स्तंभ है। (शेष पृष्ठ-4 पर)

तबादले के बाद भी जमे थे अफसर, योगी का चला हंटर

नोएडा, ग्रेटर नोएडा व यमुना प्राधिकरण के 9 अधिकारी निलंबित

नोएडा (चेतना मंच)। उत्तर प्रदेश शासन के आदेशों की अवहेलना करने पर राज्य की योगी सरकार ने नोएडा, ग्रेटर नोएडा व यमुना विकास प्राधिकरण में तैनात अधिकारियों पर बड़ा एक्शन लिया है।

सीएम योगी के आदेश पर नोएडा, ग्रेटर नोएडा और यमुना अथॉरिटी में तैनात 9 अधिकारियों को निलंबित कर दिया गया है। निलंबित अधिकारियों की लिस्ट में नोएडा अथॉरिटी के 6, यमुना अथॉरिटी के 1 और ग्रेटर नोएडा अथॉरिटी के 2 अधिकारियों के नाम शामिल हैं। इस कार्रवाई के बाद तीनों प्राधिकरणों के अधिकारियों और कर्मचारियों में हडकंप मच गया है।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आदेश न मानने वाले अधिकारियों व कर्मचारियों के खिलाफ बड़ा एक्शन लिया है। आरोप है कि ट्रांसफर के ऑर्डर आने के बावजूद अधिकारियों ने ट्रांसफर वाली जगहों पर ज्वाइनिंग नहीं किया था। हालांकि इससे पहले भी शासन की तरफ से विभागों में अनुशासन बढ़ाने के लिए ऐसे सख्त कदम लेने की बात कई बार कही जा चुकी है लेकिन इसके बावजूद लापरवाही बरती जा रही है। उत्तर प्रदेश सरकार के औद्योगिक विकास विभाग के प्रमुख सचिव अनिल सागर ने निलंबित करने के आदेश जारी किए हैं।

निलंबित अधिकारियों में नोएडा प्राधिकरण के सहायक विधि अधिकारी नरदेव, निजी सचिव विजेंद्र पाल सिंह, सहायक प्रबंधक यूएस फारूख, सहायक विधि अधिकारी सुशील भाटी, प्रबंधक सुमित ग्रोवर व लेखाकार प्रमोद कुमार शामिल हैं। इनके अलावा यमुना अथॉरिटी में प्रोपर्टी विभाग में तैनात प्रबंधक अजब सिंह भाटी को भी निलंबित कर दिया गया है। उनका 6 जून 2023 को यूपीसीडा में तबादला कर दिया गया था। इसके बावजूद आदेश न मानते हुए उन्होंने नई जगह ज्वाइन नहीं किया था। इसके अलावा ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण में तैनात सहायक प्रबंधक सुरेन्द्र कुमार व प्रबंधक विजय कुमार वाजपेयी को भी निलंबित कर दिया गया है। प्रबंधक सुरेन्द्र कुमार का तबादला नोएडा प्राधिकरण में किया गया था जबकि प्रबंधक विजय कुमार वाजपेयी जो लोकनिर्माण विभाग में अवर अभियंता थे और ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण में पिछले 3 साल से प्रतिनियुक्ति पर तैनात थे। उनका तबादला गोरखपुर विकास प्राधिकरण किया गया था, लेकिन उन्होंने यह आदेश नहीं माना।

इसके अलावा नोएडा प्राधिकरण के तीन अधिकारियों डीजीएम विजय रावल, वरिष्ठ प्रबंधस सतेंद्र गिरी और सहायक प्रबंधक प्रेम कुमार के खिलाफ विभागीय जांच के आदेश भी दिए गए हैं। यह तीनों अधिकारी भी पिछले काफी समय से प्राधिकरण में तैनात हैं। योगी सरकार की इस कार्यवाही के बाद तीनों प्राधिकरणों के अधिकारियों और कर्मचारियों में हड़कंप मचा हुआ है।

यूपी सिपाही भर्ती की आज आखिरी परीक्षा

कड़ी सुरक्षा में अभ्यर्थियों की जांच, कैमरे से रखी नजर

लखनऊ (एजेंसी)। यूपी पुलिस कांस्टेबल भर्ती परीक्षा का आज पांचवां दिन है। अब से कुछ ही देर में परीक्षा शुरू हो जाएगी। 60 हजार पदों के लिए 48 लाख से ज्यादा नौजवान इस भर्ती परीक्षा में शामिल हुए हैं। 4 चरणों की परीक्षा बीत चुकी है और आज अंतिम चरण की परीक्षा है।

पुलिस आरक्षी भर्ती परीक्षा को लेकर गौतमबुद्धनगर पुलिस कमिश्नरेट क्षेत्र में भी परीक्षा केन्द्रों पर कड़ी सुरक्षा है। सूरजपुर, बादलपुर, ग्रेटर नोएडा व नोएडा में परीक्षा केन्द्रों पर कड़ी सुरक्षा जांच के बाद परीक्षार्थियों को सेंटर में भेजा गया।

यूपी पुलिस भर्ती परीक्षा का आज अंतिम दिन है। पहली पाली की परीक्षा हो चुकी है। पूरी परीक्षा के दौरान पुलिस प्रशासन पूरी तरह चाक चौबंद नजर आया। यूपी डीजीपी ने शनिवार को लखनऊ के तेलीबाग में राम भरोसे मैकू लाल इंटर कालेज में खुद भी निरीक्षण किया।

इस दौरान मीडिया से बातचीत में उन्होंने कहा कि मुझे लगता है कि देश और विश्व की सबसे बड़ी पुलिस की परीक्षा है जिसको सकुशल संपन्न कराने में हम लोग सफल हुए हैं। जैसा की सरकार का संकल्प है कि भर्ती सुचितापूर्ण तरीके से संपन्न हो और सिर्फ मेधावी छात्र ही स्वस्थ प्रतिस्पर्धा के बाद नौकरियों में लिए जाएं। जो बच्चे अभी पारदर्शी प्रक्रिया के तहत आ रहे हैं वो जनता और विभाग की सेवा अगले 40 साल तक करेंगे। अभी की भर्ती 60 हजार से कुछ अधिक की है। आने वाले एक साल में हम कुल एक लाख लोग विभाग में लेंगे।

आपको बता दें कि यूपी पुलिस आरक्षी भर्ती परीक्षा में 60,244 पदों पर सीधी भर्ती के लिए आयोजित लिखित परीक्षा के चौथे दिन 21.80 फीसद अभ्यर्थी अनुपस्थित रहे। शुक्रवार को परीक्षा में 6,91,936 अभ्यर्थी शामिल हुए, जो अब तक की सर्वाधिक संख्या है। (शेष-4 पर)

प्रधानमंत्री ने मेरठ-लखनऊ वंदे भारत एक्सप्रेस को दिखाई हरी झंडी

नई दिल्ली / मेरठ (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज तीन वंदे भारत ट्रेनों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इसमें मेरठ-लखनऊ के बीच चलने वाली वंदे भारत एक्सप्रेस भी शामिल है। इसके अलावा पीएम ने मदुरई से बेंगलुरू और चेन्नई से नागरकोईल के लिए चलने वाली वन्दे भारत एक्सप्रेस को भी हरी झंडी दिखाई।

तीनों नई वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेनों को एक वर्चुअल इवेंट में पीएम मोदी ने हरी झंडी दिखाई। इस मौके पर पीएम ने तमिलनाडु और कर्नाटक के बजट में हुई बढ़ोत्तरी का जिक्र भी किया जिससे दक्षिण राज्यों में रेल ट्रांसपोर्ट और मजबूत होगा। उन्होंने दक्षिणी राज्यों में विकिसत भारत 2047 के तहत तेजी से विकास करने पर भी जोर दिया।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि आज यूपी और खासकर पश्चिमी यूपी के लोगों को मेरठ-लखनऊ रूट पर वंदे भारत ट्रेन के जरिए भी खुशखबरी मिली है। मेरठ और पश्चिमी यूपी क्रांति की धरती है। आज यह क्षेत्र विकास की नई क्रांति का गवाह बन रहा है। वंदे भारत आधुनिक भारतीय रेलवे का नया चेहरा है। आज शहर में, हर रूट पर वंदे भारत की मांग है। हाई-स्पीड ट्रेनों के आने से लोगों को अपने कारोबार, रोजगार और अपने सपनों को विस्तार देने का भरोसा मिलता है। आज देशभर में 102 वंदे भारत रेल सेवाएं चल रही हैं।

रेल यात्रा का वनवास अब टूटेगा : अरूण गोविल

मेरठ से भाजपा सांसद अरूण गोविल ने कहा कि आज का दिन बहुत ऐतिहासिक है। आज मेरठ को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और रेलमंत्री द्वारा इतना अच्छा तोहफा मिला है। इसका स्वागत हुआ है। इससे विकास को बहुत तेजी मिलेगी। मेरा रेलयात्रा का बहुत दिनों का वनवास है मेरा वनवास इसी ट्रेन से टूटेगा, जब मेरठ से लखनऊ जाउंगा।

नोएडा में फिर धांय-धांय, मुठभेड़ में बदमाश घायल

नोएडा (चेतना मंच)। वेयरहाउस में चोरी करने वाले बदमाशों और पुलिस के बीच आज सुबह मुठभेड़ हो गयी। इस दौरान पुलिस ने दो अपराधियों को गिरफ्तार किया है। जबकि एक बदमाश गोली लगने से घायल हो गया। उसे उपचार के जिला में भर्ती कराया गया है।

अपराधों पर अंकुश लगाने के लिए पुलिस द्वारा चेकिंग की जा रही थी। चेकिंग अभियान के दौरान पुलिस ने तीन अज्ञात युवकों को रूकने का इशारा किया। पुलिस को देख बाइक पर सवार बदमाशों ने भागने का प्रयास किया और पुलिस टीम पर फायरिंग कर दी। पुलिस ने भी जवाबी कार्यवाही की जिसमें

एक बदमाश गोली लगने से घायल हो गया। गिरफ्तार किए गए दो बदमाशों की पहचान पुष्पेंद्र (23) और गोलू कुमार (20) के रूप में हुई। दोनों ग्राम तिगरी, थाना बिसरख, गौतमबुद्धनगर के निवासी हैं। पुष्पेंद्र ने पुलिस टीम पर जान से मारने की नीयत से फायरिंग की थी। पुलिस की गोली से पुष्पेन्द्र घायल हो गया।

जानकारी के मुताबिक पकड़े गए अपराधियों के पास से एक अवैध तमंचा, एक खोखा कारतूस, एक कारतूस और चोरी की एक स्प्लेंडर मोटरसाइकिल बरामद की गई है। मोटरसाइकिल के संबंध में थाना फेस-1 नोएडा में पहले से ही मामला दर्ज है। (शेष पृष्ठ-4 पर)

खेत में मिला बंद बोरे में शव

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। थाना दादरी क्षेत्र में एक खेत में बंद बोरे में एक अज्ञात व्यक्ति का शव मिलने से सनसनी फैल गई। शव 10 से 15 दिन पुराना बताया जा रहा है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। आसपास के लोगों में चर्चा है कि उक्त व्यक्ति की हत्या कर शव को बोरे में बंद करके खेत में फेंका गया है।

पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक बीती रात को थाना पुलिस को सूचना मिली कि मिहिर भोज इंटर कॉलेज से आगे स्थित एक खेत में एक प्लास्टिक के बंद बोरे में अज्ञात व्यक्ति का शव पड़ा है। (शेष पृष्ठ-4 पर)

कचैडा वारसाबाद के पूर्व प्रधान सुशील नागर को दी जिम्मेदारी

आजाद समाज पार्टी ने बसपा सुप्रीमो के घर में पसारे पैर

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश की भूतपूर्व मुख्यमंत्री मायावती अपने गृह जनपद में ही लगातार अपना जनाधार खोती जा रही हैं। जिसका लाभ आजाद समाज पार्टी बखूबी उठा रही है। हाल में आजाद समाज पार्टी ने मायावती के घर में पैर पसारने का काम किया है। जिसके तहत आजाद समाज पार्टी ने मायावती के गांव बादलपुर से लगे कचैडा वारसाबाद के पूर्व प्रधान सुशील नागर को जिले के अध्यक्ष की जिम्मेदारी सौंप बड़ा दाव चला है। श्री नागर को यह जिम्मेदारी उत्तर प्रदेश के मेरठ में हुई समीक्षा बैठक के दौरान आजाद समाज पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं सांसद चंद्रशेखर आजाद के निर्देश पर उत्तर के प्रदेश अध्यक्ष सुनील चित्तोड एवं मेरठ मंडल अध्यक्ष तालिब चौधरी के द्वारा संयुक्त रूप से मनोनय पत्र देते हुए सौंपी गई।

बता दें कि गौतमबुद्धनगर उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री एवं बसपा सुप्रीमो मायावती

का गृह जनपद है और बादलपुर उनका पैतृक गांव है। मायावती ने ही उत्तर प्रदेश की मुख्यमंत्री रहते हुए गाजियाबाद व बुलंदशहर जनपद के कुछ हिस्से को काटकर गौतमबुद्धनगर जिला बनाया था। जिसे आज उत्तर प्रदेश की आर्थिक राजधानी के रूप से जाना जाता है। एक समय था कि जब उत्तर प्रदेश के इस ज़िले जिले की सारी विधानसभा सीटों व संसदीय सीट पर उनकी ही पार्टी बसपा का कब्जा था। लेकिन वर्तमान समय में जहां बसपा की स्थिती पूरे प्रदेश में खराब है, वहीं बसपा अपने सुप्रीमो मायावती के गृह जनपद में भी अपना जनाधार लगातार खोती चली जा रही है। ऐसे में अन्य दल उनके घटते जनाधार पर बखूबी लाभ उठा रहे हैं।

हाल ही में उनके लगातार घटते जनाधार का बड़ा लाभ आजाद समाज पार्टी को मिला है। बता दें कि मायावती का पैतृक गांव भले ही बादलपुर है। लेकिन उसके आस पास लगे गांव दुजाना, कचैडा, अच्छेजा, बिशनूली, डेरी मच्छा को भी उनके घर परिवार के तौर पर ही देखा जाता है। ऐसे में आजाद समाज पार्टी ने कचैडा वारसाबाद के पूर्व प्रधान एवं युवा नेता सुशील नागर को जिलाध्यक्ष की बड़ी जिम्मेदारी सौंपते हुए क्षेत्र में बड़ा दाव खेल दिया है। जिसके बाद से सुशील नागर को बधाईयों का तांता लगा हुआ है।

नवविवाहिता ने पंखे से फंदा लगाकर की आत्महत्या

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। विवाहित समेत तीन लोगों ने मानसिक तनाव के चलते आत्महत्या कर ली। वहीं एक व्यक्ति की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई है। पुलिस ने सभी शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम को भेजकर मौत के कारणों की जांच शुरू कर दी है।

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार थाना कासना क्षेत्र में रहने वाली सपना पत्नी प्रदीप (23 वर्ष) निवासी ओमीक्रान-1 सेक्टर ने अपने घर पर पंखे से फंदा

ओयो होटल में ठहरे युवक ने लगाई फांसी

लगाकर आत्महत्या कर ली। मृतका की कुछ समय पूर्व शादी हुई थी। अपर पुलिस उपायुक्त नोएडा के द्वारा उसके शव को पंचायत नामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। पुलिस के अनुसार अगर मृतका के परिजन इस मामले में कोई शिकायत करते हैं तो पुलिस घटना की रिपोर्ट दर्ज कर मामले की जांच करेगी।

वहीं थाना सेक्टर-63 क्षेत्र के नवादा गांव स्थित एक ओयो होटल में आकर ठहरे हुए आशीष अरोड़ा पुत्र चमन लाल (48 वर्ष) ने बीती रात को अपने होटल के कमरे में पंखे से फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। (शेष पृष्ठ-4 पर)

प्रगतिशील कदम

निस्संदेह, लैंगिक समानता और शिक्षा व रोजगार में पर्याप्त अवसर की दृष्टि से हिमाचल सरकार द्वारा लड़कियों की शादी की कानूनी उम्र 18 से बढ़ाकर 21 वर्ष करना एक प्रगतिशील कदम है। लेकिन साथ ही हिमाचल सरकार द्वारा बाल विवाह निषेध (हिमाचल प्रदेश संशोधन) विधेयक 2024 के इस कदम ने एक नई बहस को भी जन्म दिया है। वहीं कांग्रेस पार्टी के भीतर भी कुछ असंतोष के सुर उभरते दिखे हैं। बहस इस मुद्दे से जुड़ी राष्ट्रीय चर्चाओं को लेकर भी है कि इससे पहले लाया गया केंद्र सरकार का बाल विवाह निषेध संशोधन विधेयक अभी भी एक संसदीय पैनल के समक्ष समीक्षाधीन है। ऐसे में हिमाचल प्रदेश का कानून केंद्रीय पैनल के निष्कर्षों से पहले सामने आने के निहितार्थों पर प्रश्न पैदा करता है। दरअसल, जिस पैनल को केंद्रीय विधेयक की समीक्षा का कार्य सौंपा गया है, वह अभी लड़कियों की शादी की उम्र 21 साल तक बढ़ाने से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर विचार-विमर्श कर रहा है। उम्मीद है कि इसकी रिपोर्ट में सांस्कृतिक संवेदनशीलता, सामाजिक-आर्थिक कारकों और महिलाओं के अधिकारों तथा व्यक्तिगत स्वतंत्रता पर संभावित प्रभाव सहित विभिन्न चिंताओं को संबोधित किया जायेगा। इस मामले में हिमाचल सरकार की स्वतंत्र पहल का निर्णय जहां एक प्रगतिशील कदम है तो वहीं इसे जल्दबाजी में उठाया गया कदम भी कहा जा रहा है। निस्संदेह, हिमाचल सरकार का यह सक्रिय रुख लैंगिक समानता और युवा महिलाओं के सशक्तीकरण के प्रति उसकी प्रतिबद्धता को ही उजागर करता है। वहीं दूसरी ओर महिलाओं की शादी की उम्र को पुरुषों के बराबर लाकर, सही मायनों में कानून का उद्देश्य उन्हें शादी के दबावों से मुक्त करना भी है। जिससे उन्हें शिक्षा और व्यक्तिगत विकास के लिये समान अवसर मिल सकें। निस्संदेह, ऐसे प्रयास स्त्री सशक्तीकरण की दिशा में एक सार्थक पहल कही जा सकती है। जो कालांतर समाज में लैंगिक समानता का मार्ग प्रशस्त करके उन्हें स्वावलंबी बनाने में मददगार हो सकती है। यही वक्त की मांग भी है। लेकिन वहीं दूसरी ओर खुद कांग्रेस पार्टी में सरकार के निर्णय को लेकर सवाल उठाये जा रहे हैं। कहा गया कि वे सुखविंदर सुक्खू सरकार के कदम से आश्चर्यचकित हैं, क्योंकि कांग्रेस पार्टी ने ही केंद्र में नरेंद्र मोदी सरकार द्वारा लाए गए इसी तरह के विधेयक का विरोध किया था। जिसकी वजह इसका मुस्लिम समाज पर पड़ने वाला प्रभाव भी था। कांग्रेस ने खासकर मुस्लिम पर्सनल लॉ के संबंध में चिंता भी जतायी थी। वहीं दूसरी ओर हिमाचल भाजपा ने सुक्खू सरकार के कदम पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा है कि तकनीकी रूप से इस कानून को लेकर हमारी पार्टी ने पहल की थी। वहीं कानून के जानकार कह रहे हैं कि इस तरह के कानून पर यदि संसदीय पैनल की रिपोर्ट एक अलग दृष्टिकोण या अतिरिक्त सुरक्षा उपायों का सुझाव देती है तो यह कदम कानूनी और सामाजिक विसंगतियां उत्पन्न करने का जोखिम भी पैदा कर सकता है। कालांतर राष्ट्रीय कानून, एक बार अधिनियमित होने के बाद राज्य कानूनों का स्थान लेगा। जिससे संभावित रूप से भ्रम पैदा हो सकता है। फलतः कालांतर संशोधन की आवश्यकता होगी। निस्संदेह, हिमाचल सरकार के कानून का समय उस व्यापक परामर्श प्रक्रिया को कमजोर करता है,जिस दिशा में संसदीय पैनल सक्रिय है। दरअसल, पैनल इस मुद्दे से जुड़े विविध दृष्टिकोणों को संतुलित करना चाहता है। साथ ही यह भी सुनिश्चित करना चाहता है कि कानून का स्वरूप व प्रभाव विविधता के भारतीय परिवेश में समावेशी हो। जिसका संदेश जाए कि यह एक सुविचारित फैसला है। वहीं दूसरी ओर कह सकते हैं कि हिमाचल सरकार का कानून एक साहसिक कदम है। वहीं यह राष्ट्रीय स्तर पर एक व्यापक व सुसंगत दृष्टिकोण के महत्व को रेखांकित करता है। जो भारत के विविधता के सामाजिक परिदृश्य में इस तरह के महत्वपूर्ण बदलावों को लागू करने की जटिलताओं की ओर ध्यान भी आकृष्ट करता है। निस्संदेह,यह कदम लड़कियों के लिये शिक्षा व कैरियर में आगे बढ़ने के नये अवसर भी सृजित करेगा। वहीं लड़कियों के शारीरिक व मानसिक स्वास्थ्य के लिये भी यह अनिवार्य शर्त है।

रामचरित मानस

कल के अंक में आपने पढ़ा था कि श्री पार्वतीजी और शिवजी के विवाह के बाराती इस नदी में बहुत प्रकार के असंख्य जलचर जीव हैं। श्री रघुनाथजी के जन्म की आनंद-बधाइयाँ ही इस नदी के भँवर और तरंगों की मनोहरता है॥ उससे आगे का वर्णन क्रमानुसार प्रस्तुत है।

सानुज राम बिबाह उछाहू। सो सुभ उमग सुखद सब काहू॥
कहत सुनत हरषहिं पुलकाहीं। ते सुकृती मन मुदित नहाहीं॥

भाइयों सहित श्री रामचंद्रजी के विवाह का उत्साह ही इस कथा नदी की कल्याणकारिणी बाढ़ है, जो सभी को सुख देने वाली है। इसके कहने-सुनने में जो हर्षित और पुलकित होते हैं, वे ही पुण्यात्मा पुरुष हैं, जो प्रसन्न मन से इस नदी में नहाते हैं॥

राम तिलक हित मंगल साजा। परब जोग जनु जुरे समाजा।
काई कुमति केकई केरी। परी जासु फल बिपति घनेरी॥

श्री रामचंद्रजी के राजतिलक के लिए जो मंगल साज सजाया गया, वही मानो पर्व के समय इस नदी पर यात्रियों के समूह इकट्ठे हुए हैं। कैकेयी की कुबुद्धि ही इस नदी में काई है, जिसके फलस्वरूप बड़ी भारी विपत्ति आ पड़ी॥

दो0-समन अमित उतपात सब भरत चरित जपजाग।
कलि अघ खल अवगुन कथन ते जलमल बग काग॥

संपूर्ण अनगिनत उत्पातों को शांत करने वाला भरतजी का चरित्र नदी तट पर किया जाने वाला जपयज्ञ है। कलियुग के पापों और दुष्टों के अवगुणों के जो वर्णन हैं, वे ही इस नदी के जल का कीचड़ और बगुले-कौए हैं॥

(क्रमशः..)

अंतरिक्ष में फजीता फिर भी डटी सुनीता

दुनिया भर के भारतीय एक बार फिर भारतवंशी बेटी सुनीता विलियम्स के लिये फिक्रमंद हैं। दरअसल, अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन में शोध-अनुसंधान के लिये गई सुनीता के लिए अपने एक सहयोगी के साथ निर्धारित समय पर लौट पाना मुश्किल हो रहा है। वे बोइंग के जिस अंतरिक्ष विमान स्टारलाइनर से गए थे, उसमें कई तरह की तकनीकी खामियां आ गई हैं। अमेरिकी अंतरिक्ष संगठन नासा अपने अंतरिक्ष यात्रियों की जान को लेकर कोई जोखिम नहीं उठाना चाह रहा है। दो बेहद अनुभवी व प्रशिक्षित अंतरिक्ष यात्रियों की बेशकीमती जिंदगियों का प्रश्न तो है ही, लेकिन मिशन की असफलता से सुपरपावर की साख को जो झटका लगेगा, उसकी बड़ी कीमत होगी। वह भी तब जब उसके नंबर वन के ओहदे को चुनौती देने वाला चीन अंतरिक्ष अभियान में नित नई सफलताएं हासिल करता ही जा रहा है। मगर भारतीयों के लिये अपनी बेटी की सुरक्षा की चिंता है। उसके दिल में भारत की एक होनहार बेटी कल्पना चावला को खोने के जख्म अभी तक हरे हैं। हरियाणा की इस लाडली को खोने का गम देश अभी तक नहीं भुला पाया है।

बहरहाल, अब अमेरिका से छनकर आ रही खबरें बताती हैं कि जो सुनीता विलियम्स आठ दिन के लिये अंतरिक्ष मिशन पर गयी थीं, उसे अब आठ महीने अंतरिक्ष में गुजारने होंगे। निस्संदेह, किसी व्यक्ति के अंतरिक्ष में इस तरह की अनिश्चितताओं में फंसना एक बड़ी चिंता का सबब होता है। लेकिन सुनीता बड़ी दिलेर अंतरिक्ष यात्री हैं। एक लड़ाकू हेलीकॉप्टर की चालक रही सुनीता की उपलब्धियों ने ही उसे अंतरिक्ष मिशन तक पहुंचाया है। यह उसका तीसरा अंतरिक्ष मिशन है। पूरी दुनिया ने उस वीडियो क्लिप को देखा था, जिसमें वह स्टारलाइनर अंतरिक्ष विमान से निकलकर बहुत ही गर्मजोशी से अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन पर अपने सहयोगियों से मिली थीं। नये उत्साह व उमंग के साथ। निश्चित रूप से अंतरिक्ष यात्री कड़े प्रशिक्षण व मजबूत मानसिक तैयारी के बाद ही अंतरिक्ष मिशन में जुड़ते हैं। यूं तो जोखिम सड़क पर पैदल चलने वाले व्यक्ति के जीवन में भी कम नहीं होते हैं, लेकिन अंतरिक्ष यात्री के जीवन के जोखिम हर पल नजर आते हैं।

दरअसल, बोइंग का स्टारलाइनर अंतरिक्ष विमान जब अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन के करीब पहुंचा तो उसमें बड़ी तकनीकी खामियां आ गई थी। उसके वे पांच थ्रस्टर्श बंद हो गए थे, जो यान की दिशा निर्धारित करते हैं। कालांतर में उसकी हीलियम गैस भी खत्म हो गई। फलतः उसे वैकल्पिक ईंधन पर निर्भर होना पड़ा। नासा ने अपने अंतरिक्ष यात्रियों को अंतरिक्ष में ले जाने वाली व्यावसायिक उड़ानों के लिये बोइंग व स्पेस एक्स के साथ अरबों डॉलर के करार किये हैं। अब तक नौ मानवयुक्त अंतरिक्ष अभियानों को अंजाम देने वाले स्पेस एक्स को सुनीता विलियम्स व बैरी बुच विल्मोर को वापस धरती पर लाने का जिम्मा सौंपा गया है। नासा ने अंतरिक्ष अभियान के तमाम जोखिमों का अध्ययन करने के बाद यह फैसला लिया है।

बहरहाल, नासा ने फैसला किया है कि सुनीता व विल्मोर को फरवरी, 2025 तक अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन में ही रहना पड़ेगा। इसके बाद वे स्पेस-एक्स क्रू ड्रैगन स्पेसक्राफ्ट से वापस लौट सकेंगे। जिसमें दो अंतरिक्ष यात्री अंतरिक्ष में जाएंगे और वापसी में सुनीता और विल्मोर उससे लौटेंगे। इन परिस्थितियों को स्वीकार करते हुए 58 वर्षीय सुनीता के हौसले बुलंद हैं। अगले छह माह तक का उनका कार्यक्रम निर्धारित हो गया है। इस बीच वह स्टेशन पर वैज्ञानिक कार्यों के अलावा यान की मरम्मत तथा स्पेस वॉक भी करेंगी। इस घटनाक्रम से बोइंग के अभियान को लेकर भी सवाल उठे हैं। कहा जा रहा है कि शुरुआती दौर में हीलियम रिसाव के संकेत मिले थे। विगत में भी बोइंग के कई अंतरिक्ष मिशनों का प्रदर्शन आशा के अनुरूप नहीं रहा है। लेकिन वहीं दूसरी ओर बोइंग की प्रतिद्वंद्वी एलन मस्क की स्पेसएक्स ने पिछले कुछ वर्षों में खासी उपलब्धियां हासिल की हैं। चार साल पहले ड्रैगन स्पेसक्राफ्ट अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन तक पहुंचा चुका है और अंतरिक्ष यात्रियों व सामान को ले जाने व लाने का काम करता रहा है।

सुनीता विलियम्स पिछले दो माह से धरती के ऊपर अंतरिक्ष में तैर रही हैं। एक प्रायोगिक अभियान के तहत वह अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन गई थीं। लेकिन अब जब उनको अगले छह माह अंतरिक्ष में रहना पड़ेगा, तो कहा जा रहा है कि सुनीता क्रिसमस व नया साल भी अतंरिक्ष में ही मनाएंगी।

उल्लेखनीय है कि सुनीता विलियम्स की अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन की यह तीसरी यात्रा है। वह एक अनुभवी अंतरिक्ष यात्री हैं जो नौसेना हैलीकॉप्टर पायलट की भूमिका निभाने के बाद नासा के अंतरिक्ष अभियानों से जुड़ी हैं। हाल ही में उन्होंने उत्साहपूर्वक कहा था कि वे अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन में अपने दायित्वों के निर्वहन में खासी व्यस्त हैं। वे अतंरिक्ष स्टेशन में गुरुत्वाकर्षण मुक्त परिवेश में तैरना अच्छा महसूस करती हैं। इसे वे अपने अंतरिक्ष के घर में वापसी मानती हैं। टीम के साथ शोध-अनुसंधान करने का यह अनुभव सुखद है। निश्चित रूप से हर अंतरिक्ष यात्री अपने मिशन में उत्पन्न होनी वाली चुनौती और विकट स्थितियों के लिये मानसिक व शारीरिक रूप से तैयार ही होता है। लेकिन भारहीनता की स्थिति, बाधित नींद, आंखों पर पड़ने वाला अतिरिक्त दबाव, समाज से कटकर नितांत एकांत व भावनाशून्य स्थितियां संवेदनशील मनुष्य को अखरती तो हैं ही। वहीं मांसपेशियों का वजन कम होने से कई तरह की व्यावहारिक दिक्कतें भी आती हैं। उम्मीद की जानी चाहिए कि सुनीता सकुशल घर लौटे।

-अरुण नैथानी

आरक्षण खत्म करने की बात कौन करेगा?

दलित और पिछड़े युवाओं के उत्थान के लिए लाया गया आरक्षण अब सत्ता में पहुंचने माध्यम बनता जा रहा है। अलग-अलग राज्य में राजनैतिक दल जहां आरक्षण को अपने हिसाब से अदल-बदल रहे हैं, वही प्राइवेट सेक्टर में भी आरक्षण लागू करने की कोशिश हो रही है। कुछ राज्यों ने अपने यहां ये आरक्षण लागू किया पर वहां के हाईकोर्ट ने उसे अवैध बताते हुए रोक लगा दी, पर ये कोशिश जगहङ्गजगह जारी है।

सर्वोच्च न्यायालय की सात न्यायधीश की संविधान पीठ आरक्षण में क्रीमीलेयर लागू करने की बात की तो विपक्ष ने राजनैतिक लाभ उठाने के लिए इसका विरोध शुरू कर दिया। हांलाकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आश्वस्त कर चुके हैं कि आरक्षण में क्रीमीलेयर लागू नहीं होगा, इसके बावजूद आरक्षण समर्थक राजनैतिक दलों ने इसके विरूद्ध आंदोलनरत हैं। अभी वे भारत बंद का आह्वान कर ही चुके हैं। इससे पहले कर्नाटक में प्राइवेट नौकरी में स्थानीय के लिए शत प्रतिशत आरक्षण को लागू करने पर खड़ा हो गया। हांलाकि प्रदेश कैबिनेट में पास किया गया ये कानून विरोध को देखते हुए ठंडे बस्ते में डाल दिया गया है, पर खत्म नहीं किया गया। मुख्यमंत्री ने कहा है कि अगली कैबिनेट की बैठक में इस पर फिर विचार होगा।

हाल के लोकसभा चुनाव के अंतिम चरण के आतेङ्गआते प्रचार आरक्षण पर आकर सिमट गया। भाजपा नेता अपने भाषणों में दावा कर रहे है कि हम देश में मुस्लिम आरक्षण लागू नही होने देंगे। खुद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपनी सभाओं में मुस्लिम आरक्षण पर चिंता जाहिर कर रहे हैं। वह कह रहे हैं कि सत्ता में आते ही इंडिया गठबंधन दलित और पिछडों का आरक्षण काटकर मुस्लिमों को दे देगा। वे देश का विभाजन करवा देंगे। इस पर कुछ बड़े नेता तो चुप्पी साधे है किंतु समाजवादी पार्टी के सांसद एसटी हसन ने एक बयान में कहा है कि इंडिया गठबधंन के सत्ता में आते ही संविधान में संशोधन कर मुस्लिमों को सरकारी सेवाओं में आरक्षण दिया जाएगा।

देश को आजाद हुए 75 साल से ज्यादा हो गए। आजादी के बाद दलित समाज को विकास की धारा में शामिल करने के लिए दस साल के लिए आरक्षण की व्यवस्था की गई थी। आज ये आरक्षण राजनेताओं को सत्ता में पंहुचने का माधूयम नजर आने लगा है, वे इसे बढ़ाने की बात कर रहे हैं। खत्म करने की नहीं। किसी को यह सोचने की फुरसत नही कि आरक्षण की मार से बचने के लिए देश के प्रतिभाशाली युवा आज विदेशों में जाकर शिक्षा ले रहे है। शिक्षा पूरी कर वहीं नौकरी या व्यवसाय कर चुने गए देश के विकास में योगदान कर रहे हैं। भारत के बाहरर जाकर बसी भारत की मेधा से प्रभावित होते देश के विकास पर किसी को सोचने का समय नहीं।

प्राइवेट सेक्टर की नौकरियों में आरक्षण को लेकर कर्नाटक सरकार ने यूटर्न ले लिया है। सरकार ने पहले सी और डी कैटेगरी की प्राइवेट नौकरियों में स्थानीय लोगों को आरक्षण देने की बात कही थी। फिलहाल, आरक्षण के उस फैसले पर रोक लगा दी गई है। कैबिनेट ने फैसला स्थगित कर दिया है। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने प्राइवेट सेक्टर में कन्नड़ लोगों को 100 फीसदी आरक्षण देने को लेकर सोशल मीडिया एक्स पर पोस्ट की थी। अपनी इस पोस्ट में उन्होंने कहा, हम कन्नड़ समर्थक सरकार हैं। सरकार के इस फैसले का चौतरफा विरोध होने पर इस पर रोक लगा दी गई। सरकार का कहना है कि इस बिल पर वह पुनर्विचार करेगी। देश में यह पहला ऐसा मामला नहीं है।

कर्नाटक से पहले प्राइवेट सेक्टर में स्थानीय लोगों को आरक्षण देने के लिए आंध्र प्रदेश और हरियाणा में कोशिश की गई थी. वहीं, मध्य प्रदेश में भी सरकार ने ऐसा ही कहा था, लेकिन यह कोशिश रंग नहीं ला पाई थी। 2019 में आंध्र प्रदेश में पहली बार ऐसा कोई कानून बना था जहां 75 प्रतिशत स्थानीय लोगों को प्राइवेट नौकरियों में आरक्षण देने की बात कही गई थी। पर हाईकोर्ट ने इसे असंवैधानिक बताते हुए रद्द कर दिया था। फिलहाल, ये मामला सुप्रीम कोर्ट में है।

महाराष्ट्र में 2019 में शिवसेना-कांग्रेस और एनसीपी के गठबंधन की सरकार बनने के बाद प्राइवेट नौकरियों में स्थानीयों को 80 प्रतिशत नौकरियां देने का प्रस्ताव लाया गया था। सरकार सरकार इसे विधानसभा में भी लाना चाहती थी। लेकिन इसे लाया नहीं गया। कर्नाटक में कई बार प्राइवेट जॉब में कन्नड़ों के लिए आरक्षण तय करने की कोशिश हो चुकी है। सिद्धारमैया सरकार में ये तीसरी बार है जब ऐसी कोशिश हो रही है। इससे पहले 2014 और 2017 में भी सरकार कोशिश कर चुकी है। वहीं अक्टूबर 2020 में येदियुरप्पा की अगुवाई में बीजेपी सरकार ने प्राइवेट नौकरियों में ग्रुप सी और डी में 75 प्रतिशत आरक्षण स्थानीयों को देने का ऐलान किया था। हालांकि, ये लागू नहीं हो सका था।

हरियाणा में 2020 में तब की मनोहर लाल खट्टर की सरकार ने प्राइवेट नौकरियों में स्थानीयों को 75 प्रतिशत आरक्षण देने के लिए कानून पास किया था। हाईकोर्ट ने पिछले साल नवंबर में इस कानून को रद्द कर दिया। झारखंड में दिसंबर 2023 में हेमंत सोरेन की सरकार ने सरकारी नौकरियों की ग्रुप तीन और चार में स्थानीयों को 100 प्रतिशत आरक्षण देने के मकसद से बिल पास किया था। ये बिल विधानसभा में पास हो गया था, लेकिन गवर्नर ने इसे लौटा दिया था।

आज के हालात का निष्कर्ष ये है कि प्रत्येक दल आरक्षण की सीढ़ी से सत्ता में पंहुचने के प्रयास में लगा है। उसे उससे वास्ता नही कि आरक्षण की जद में आने वाली प्रतिभाएं इसे लेकर क्या सोचती हैं? 2012 में केंद्र सरकार प्रमोशन में आरक्षण का बिल ला चुकी है। संसद में बिल रखे जाने के दौरान एक सांसद द्वारा मंत्री से छीन कर बिल की प्रति फाड़ दिए जाने के कारण ये अटक गया। नही तो प्रमोशन में भी आरक्षण लागे हो चुका होता।

अब क्रीमीलेयर तै करने के बारे में सर्वोच्च न्यायालय की संविधान पीठ के आंदेश को वे ही ठेंगा दिखाने को तैयार हैं जो अब तक इससे लाभ लेते रहे हैं। आरक्षण का लाभ उठा चुके उच्च स्थिति में पंहुचने वाले ही विकास की धारा से वंचित अपनी जाति वालों के लिए आरक्षण का लाभ छोड़ने को तैयार नही हैं।

आज हालत यह है कि सर्वोच्च न्यायालय की संविधान पीठ आदेश करे या कोई अन्य मांग हो, आरक्षण को कम करने को कोई राजनैतिक दल छोड़ने को तैयार नही। कोई इसके खत्म करने की बात नही कर रहा। सब बढ़ाने की बात कर रहे हैं। आरक्षण के दायरे से बाहर की जाति और उसे युवा ये सब देख रहे हैं। अभी हाल में यूपीएससी में लेटरल एंट्री को लेकर हुए बवाल ने बाद सरकार ने 45 पदों पर लेटरल एंट्री का प्रस्ताव वापस लेना पड़ा। विपक्ष का कहना था कि सरकार आरक्षण खत्म करने की कोशिश कर रही है। विपक्ष आरोप लगा रहा है, सरकार अपनी छवि बचाने को बार-बार पीछे हटती जा रही है। ऐसे में आरक्षण से बाहर रह रही युवा पीढ़ी के भविष्य की किसी को चिंता नहीं। आरक्षण समर्थक कोई नेता और राजनैतिक दल ये नही सोच रहा कि ये आरक्षण से बाहर रहे युवा उनके बारे में क्या विचार और सोच बना रहे हैं?

- अशोक मधुप
(लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं)

राशिफल

भाद्रपद कृष्ण पक्ष : त्रयोदशी | **(विक्रम संवत् 2081)**

मेष- (चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ)
रोजी-रोजगार में तरक्की करेंगे। अपनों का साथ होगा। स्वास्थ्य में सुधार होगा।

वृष- (ई, उ, ए, ओ, वा, वी, वू, वे , वो)
जुबान अनियंत्रित न करें। पूंजी का निवेश अभी न करें। बाकि स्वास्थ्य ठीक ठाक, प्रेम-संतान अच्छा व व्यापार अच्छा।

मिथुन- (का, की, कु, घ, ड , छ, के, हो, हा)
सकारात्मक ऊर्जा का संचार होगा। स्वास्थ्य बहुत अच्छा। प्रेम, संतान का साथ। व्यापार बहुत अच्छा।

कर्क- (ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डा)
स्वास्थ्य नरम गरम बना रहेगा। मन चिंतित रहेगा। प्रेम-संतान अच्छा है। व्यापार भी अच्छा है।

सिंह- (मा, मी, मु, मे, मो, टा, टी, टु, टे)
आय में आशातीत बढ़ोतरी होगी। शुभ समाचार की प्राप्ति होगी। प्रेम-संतान का साथ व व्यापार बहुत अच्छा।

कन्या- (टो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो)
कोर्ट-कचहरी में विजय मिलेगी। व्यापारिक स्थिति सुदृढ़ होगी। स्वास्थ्य बहुत अच्छा, प्रेम-संतान मध्यम व व्यापार बहुत अच्छा।

तुला- (रा, री, रु, रे, रो, ता, ती, तू, त)
भाग्य साथ देगा। यात्रा का योग बनेगा। धर्म-कर्म में हिस्सा लेंगे। कार्यों की विघ्न-बाधा खत्म होगी। स्वास्थ्य, प्रेम, व्यापार अच्छा है।

वृश्चिक- (तो, ना, नी, नु, ने, नो, या, यी, यू)
कोई रिस्क न लें। परिस्थितियां प्रतिकूल हैं। स्वास्थ्य मध्यम, प्रेम-संतान ठीक ठाक। व्यापार ठीक ठाक।

धनु- (ये, यो, भा, भी, भू, धा, फा, ठा, भे)
नौकरी चाकरी की स्थिति बहुत अच्छी है। प्रेम-संतान की स्थिति बहुत अच्छी है। व्यापार की स्थिति बहुत अच्छी है।

मकर- (भो,जा,जी,जू,जे,जो,खा,खी,खू,खे,गा,गी)
परेशानी रहेगी चाहे स्वास्थ्य का मामला हो या साथ का मामला हो। प्रेम-संतान अच्छा। व्यापार भी अच्छा है।

कुम्भ- (गू, गे, गो, सा, सी, सु, से, षो, द)
भावनाओं में बहकर कोई निर्णय न लें। स्वास्थ्य ठीक ठाक। प्रेम, संतान मध्यम ।

मीन- (दी, दु, झ, ध, दे, दो, च, चा, चि)
भौतिक सुख-संपदा में वृद्धि होगी। भूमि, भवन व वाहन की खरीदारी संभव है लेकिन गृहकलह भी संभव है। स्वास्थ्य मध्यम।

भाकियू (बलराज) की महापंचायत में बड़ा फैसला

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। भारतीय किसान यूनियन (बलराज) के नेतृत्व में पैरामाउंट गोल्फ फोरेस्ट सोसायटी निवासियों का पैरामाउंट बिल्डर के तानाशाह रवैए के विरोध में पैरामाउंट गोल्फ फोरेस्ट सोसायटी के मार्केटिंग आफिस गेट पर 22 अगस्त से चल रहे अनिश्चितकालीन धरना-प्रदर्शन को आठ दिन बीतने के बाद भी बिल्डर या प्रशासनिक अधिकारी समस्याओं को सुनने नहीं पहुँचें जिससे क्षुब्ध होकर धरनास्थल पर महापंचायत की गई। महापंचायत में किसानों का उमड़ा जनसैलाब महापंचायत में विभिन्न राज्यों के किसान संगठनों ने भाग लिया।

किसानों के जनसैलाब को देखते हुए प्रशासन के हाथ पैर फूल गये जिससे धरनास्थल पर भारी पुलिस बल तैनात कर छावनी की तरह तब्दील किया गया।

भारतीय किसान यूनियन (बलराज) के राष्ट्रीय अध्यक्ष बलराज भाटी ने किसानों को सम्बोधित करते हुए कहा कि पैरामाउंट बिल्डर की तानाशाही इस कदर बढ गई है कि जिन निवासियों के पैसों से अपनी जेब गर्म कर रहा है उन्ही लोगों की समस्याओ को सुनने उनके बीच नही आ रहा है बलराज भाटी ने कहा कि बिल्डर को प्रशासन का सरंक्षण मिल रहा है तभी तो बिल्डर सोसायटी के अन्दर अवैध निर्माण कार्य करा रहा है और सोसायटी निवासियों से मनमानी तरीके से प्रति माह लगभग करोडों रूपए मेंटेनेंस के नाम पर लेता है महापंचायत को सोसायटी निवासी रामकुमार नागर ने सम्बोधित करते हुए कहा कि यहाँ की सुरक्षा मै तैनात एन डी एस कम्पनी की सुरक्षा इतनी लचर है कि यहाँ के निवासी सुरक्षित नहीं है। इस अवसर पर पश्चिमी उत्तर प्रदेश अध्यक्ष संदीप भाटी युवा प्रदेश अध्यक्ष युवा विपिन खारी उत्तर प्रदेश उपाध्यक्ष आशीष गुर्जर उत्तर प्रदेश उपाध्यक्ष राकेश भड़ाना प्रदेश महासचिव दिलदार सारी प्रदेश संगठन मंत्री विजय ठेकेदार प्रदेश सचिव यामीन अंसारी प्रदेश उपाध्यक्ष युवा प्रशांत भती नोएडा महानगर अध्यक्ष योगेश वैष्णव जिला अध्यक्ष मुरादाबाद फहीम मंसूरी, गौतम बुध नगर जिला अध्यक्ष रामवीर भाटी बुलंदशहर जिला अध्यक्ष हेमंत पंडित जिला अध्यक्ष कन्नौज जिला अध्यक्ष प्रताप सिंह मुजफ्फरनगर विकाश धोल्डली जिला अध्यक्ष युवा हापुड़ सचिन नागर दादरी तहसील अध्यक्ष सोविंद्र भाटी कच्ची भाटी ब्लॉक अध्यक्ष राहुल भाटी जिला उपाध्यक्ष जिला उपाध्यक्ष हरेंद्र वैष्णव निवासी रामकुमार नागर, राहुल भाटी, दर्पण सिंह, एन बी जोशी, कैप्टन धर्मपाल सिंह, दीपक नागर, सोविदंर भाटी, गौराव सिंह, नवीन भाटी, महिपाल सिंह, आशु चौहान, के पी सिंह, रत्नाकर सिंह, संदीप नागर, दीपक नागर एवं सैकड़ों रेजिडेंट रहे।

अधिशासी अभियंता से मिला प्रतिनिधिमंडल

नोएडा (चेतना मंच)। भारतीय किसान यूनियन (भानु) का एक प्रतिनिधिमंडल नोएडा महानगर अध्यक्ष राजबीर मुखिया के नेतृत्व में मुख्य अभियन्ता विद्युत नोएडा की गैर मौजदूगी में अधीक्षण अभियंता निशांत नवीन से मिलकर किसानों की बिजली से संबंधित समस्याओं से अवगत कराया।

अधीक्षण अभियंता ने समस्याओं को सुनकर किसानों की समस्याओं को जल्द से जल्द समाधान करने का आश्वासन दिया। अध्यक्ष ने कहा बिजीलेंश टीम की तानासाही से गांव वाले परेशान है और बिल भी उल्टे सीधे भेजे जाते हैं। मीडिया प्रभारी सुभाष भाटी ने कहा कि गांवों में पोल, खंभे, नालियों में बीचों बीच खंबे लगे हुए और गांवों में अगर किसी किसान ने अपने रोजगार के लिए अपने मकान मे एक छोटी मोटी दुकान परचून की कर रखी है तो बिजली विभाग ने जबरदस्ती कमर्शियल कर दिए है जो बिलकुल सरासर गलत है। अगर समस्याओं को जल्द से जल्द निस्तारण नहीं किया गया तो भारतीय किसान यूनियन (भानु) आंदोलन करने को मजबूर होगी।

इस मौके पर एनपी सिंह, सुभाष भाटी, आनंद भाटी, पवन खारी, बलराज बैसोया, अनिल प्रजापति, चंद्रपाल, अरविंद भाटी, विनोद, मोहित बैसोया, अजय अधाना, अनिल सिंह, विनोद माथुर आदि उपस्थित रहे।

शैक्षिक गोष्ठी का आयोजन

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ की जिला कार्यकारिणी के

नेतृत्व में विकास खंड बिसरख़ के अध्यक्ष एवं मंत्री पद पर त्रिवार्षिक निर्वाचन एवं शैक्षिक गोष्ठी उच्च प्राथमिक विधालय निठारी नोएडा में आयोजित किया गया।

निर्वाचन अधिकारी बलेराम नागर जिला वरिष्ठ उपाध्यक्ष एवं सह निर्वाचन अधिकारी गजन भाटी जिला मंत्री द्वारा चुनाव प्रक्रिया के निर्धारित समय के अनुसार नामांकन प्रात:11 बजे से 12 बजे तक किया गया।

अध्यक्ष पद के लिए 2 नामांकन स्मिता सिंह एवं सीमा और मंत्री पद भी मात्र एक नाम श्रीमति मीना यादव का नामांकन पत्र दाखिल हुआ। सभी की सहमति एवं अपनी इच्छा अनुसार संघ हित में श्रीमती सीमा ने ब्लॉक अध्यक्ष पद से अपना नाम वापिस लिया। नामांकन पत्र की जाँच के उपरांत श्रीमती स्मिता सिंह को अध्यक्ष एवं श्रीमती मीना यादव को मंत्री पद के लिए ,सीमा वरिष्ठ उपाध्यक्ष और सीमा वेषणेय को कोषाध्यक्ष निर्विरोध घोषित किया गया। सीमा तिवारी को वरिष्ठ उपाध्यक्ष, प्रिया केला, सरताज अहमद, अपर्णा मिश्रा, अनुबाला कटारिया को उपाध्यक्ष लता पाठक, गीता अगर तानिया को बनाया गया।

रजनी यादव अध्यक्ष संघर्ष समिति,मंत्री शिप्रा पाठक को निर्विरोध चुना गया। चुनाव अधिकारी द्वारा शीघ्र ही कार्यसमिति बनाकर ज़िला कार्यकारिणी को देने का आदेश भी दिया। चुनाव में उपस्थित पदाधिकारियों एवं सम्मानित सैकड़ों अध्यापकों ने बधाई दी। नवनिर्वाचित अध्यक्ष स्मिता सिंह मंत्री मीना यादव ने संघ में पूर्ण आस्था के साथ कार्य करने का आश्वासन दिया।

मण्डल अध्यक्ष मेघराज भाटी ने नवनिर्वाचित अध्यक्ष मंत्री को शुभकामनाएँ देने के साथ कहा कि संघ में नि:स्वार्थ अध्यापकों की सेवा करने वाले साथियों की आवश्यकता है। नवनिर्वाचित अध्यक्ष मंत्री संघ में निष्ठा के साथ कार्य करेंगे।

जिलाध्यक्ष प्रवीण शर्मा ने कहा कि हमारा संघ हमेशा शिक्षकों की आवाज़ बनता रहा है। आगे भी मज़बूती से शिक्षकों के अधिकारों के लिए हमेशा लड़ता रहेगा।

जिलामंत्री गजन भाटी ने बताया कि जिला कार्यकारिणी के नेतृत्व एवं प्रचार प्रसार से कार्यक्रम निर्धारित किया गया है। प्रत्येक विकास खण्ड में निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार लोकतांत्रिक तरीक़े से चुनाव कराया जा रहे है।हमारे संघ का प्रत्येक पदाधिकारी शिक्षक हित में कार्य कर रहा है।

इस अवसर पर मण्डलिक अध्यक्ष मेघराज भाटी,संरक्षक अशोक शर्मा ज़िला अध्यक्ष प्रवीण शर्मा जिला मंत्री गजन भाटी जिला वरिष्ठ उपाध्यक्ष ब्लेराम नागर जिला कोषाध्यक्ष हेमराज शर्मा विनोद ठाकुर हेमंत खोदना सतीश पीलवान रजनी यादव कल्पना शर्मा रेखा सहित सैकड़ों सम्मानित अध्यापक उपस्थित रहे।

हाथरस हादसे में मृतकों को सपाइयों ने सौंपी सहायता राशि

दादरी (चेतना मंच)। हाथरस में सत्संग के दौरान हुई भगदड़ में जान गंवाने वाले लोगों

के परिवारों को समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव द्वारा एक-एक लाख की आर्थिक मदद की घोषणा करने के बाद शुक्रवार को समाजवादी पार्टी का एक प्रतिनिधि मंडल हादसे में जान गंवाने वाले दादरी के लोगों के आवास पर पहुंचा और उन्हें सहायता राशि भेंट की।

ज्ञात हो कि कुछ दिन पूर्व हाथरस में एक सत्संग के दौरान मची भगदड़ में सैकड़ो लोगों की जान चली गई थी जिसमें जनपद गौतमबुधनगर के दादरी कस्बे की रहने वाली दो महिलाओं की भी जान चली गई थी। इस मौके पर मुजफ्फरनगर से पार्टी के सांसद हरेंद्र मलिक ने कहा कि समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने मानवीय संवेदना दिखाते हुए, हाथरस हादसे के सभी मृतकों के परिवारों को आर्थिक सहायता रूप में एक-एक लाख रुपये देने का ऐलान किया। उनका यह कदम पीड़ित परिवारों के लिए को बल देने का काम करेगा और उनकी आर्थिक स्थिति को सुधारने में मदद करेगा।

इस मौके पर पूर्व मंत्री राकेश यादव ने कहा कि समाजवादी पार्टी की इस मानवीय पहल से न केवल पीड़ित परिवारों को राहत मिलेगी बल्कि यह समाज में संवेदनशीलता और सहयोग की भावना को भी प्रोत्साहित करेगा।

इस मौके पर समाजवादी पार्टी के जिलाध्यक्ष सुधीर भाटी ने कहा कि हाथरस हादसा भाजपा सरकार की बहुत बड़ी विफलता है, यदि इतने बड़े आयोजन को लेकर सरकार सजग होती तो यह हादसा रोका जा सकता था। इस हादसे ने उत्तर प्रदेश की स्वास्थ्य सेवाओं की पोल खोल कर रख दी यदि घायलों को समय से उचित इलाज मिल जाता तो मृतकों की संख्या इतनी नहीं होती।

इस मौके पर मुख्य रूप से पूर्व विधायक अमरपाल शर्मा, समाजवादी अनुसूचित जाति प्रकोष्ठ के राष्ट्रीय अध्यक्ष राहुल भारती, पूर्व जिला अध्यक्ष फकीरचंद नागर, वीरेंद्र यादव, आश्रय गुप्ता, फैजल खान, दिनेश गुर्जर, हरवीर प्रधान, प्रमोद मेंबर, राहुल आर्यन, प्रवीण भाटी, सुमित भारती, हुकम सिंह भारती, योगेश गौतम, अनीस अहमद, निशांत नागर आदि मौजूद रहे।

कुलेसरा में हुआ भाजपा का बूथ सत्यापन

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। भारतीय जनता पार्टी का 2 सितंबर से शुरू हो रहे सदस्यता अभियान को लेकर आज कुलेसरा में बूथ सत्यापन का काम शुरू किया गया। भाजपा बिसरख मंडल के उपाध्यक्ष एवं बूथ अध्यक्ष दीपक कुशवाहा एवं अन्य लोगों ने बूथ सत्यापन का काम किया।

इस अवसर पर भाजपा नेता प्रीतम सिंह, त्रिलोकी प्रसाद, मिथिलेश पटेल, मंडल मंत्री ईश्वर नायक आदि लोग मौजूद रहे।

बूथ अध्यक्ष एवं भाजपा नेता दीपक कुशवाहा ने कहा कि 2 सितंबर से पूरे देश में भाजपा का सदस्यता अभियान शुरू किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि देश की सबसे बड़ी पार्टी बनने वाली भाजपा इस बार सदस्यता अभियान में रिकार्ड कायम करेगी।

दैनिक चेतना मंच

भगवान हनुमान बजरंग बली के अवतार श्री बालाजी (मेंहदीपुर) के संरक्षण में संचालित किया जाता है। समाचार-पत्र का यह अंक भी उन्हीं के चरणों में समर्पित है।

डाक पंजी. सं. L-10/GBD-574/99

RNI No. 69950/98

स्वामी मुद्रक प्रकाशक रामपाल सिंह रघुवंशी ने बीएफएल इन्फोटेक लि. सी-9, सेक्टर-3, नोएडा, गौतमबुद्धनगर (यू पी.) से छपवाकर, ए-131 सेक्टर-83, नोएडा से प्रकाशित किया।

संपादक-रामपाल सिंह रघुवंशी

Contact: 0120-2518100, 4576372, 2518200
Mo.: 9811735566, 8750322340
E-mail: chetnamanch.pr@gmail.com
raghuvanshirampal365@gmail.com
raghuvanshi_rampal@yahoo.co.in
www.chetnamanch.com

पूजा स्पेशल रेलगाड़ियों के फेरों में वृद्धि

आगामी त्यौहारों के दौरान रेलयात्रियों के सुविधाजनक आवागमन के लिए रेलवे द्वारा पूर्व घोषित विशेष रेलगाड़ियों की सेवाओं को बढ़ाने / जारी रखने का निर्णय लिया गया है, जिनका विवरण निम्नानुसार है:-

02391/02392 पटना जं. - आनन्द विहार टर्मिनल - पटना जं. सुपरफास्ट एक्सप्रेस विशेष रेलगाड़ी (साप्ताहिक) — 12 फेरे

गाड़ी सं. 02391		↓ स्टेशन ↑	गाड़ी सं. 02392	
आगमन	प्रस्थान		आगमन	प्रस्थान
----	22:20	पटना जं.	17:20	----
15:00	----	आनन्द विहार टर्मिनल	----	23:20

चलने के दिन: 02391 पटना जं. से प्रत्येक शनिवार को दिनांक 05.10.2024 से 09.11.2024 तक तथा **02392 आनन्द विहार टर्मिनल** से प्रत्येक रविवार को दिनांक 06.10.2024 से 10.11.2024 तक।

ठहराव: दानापुर, आरा, बक्सर, पंडित दीन दयाल उपाध्याय जं., प्रयागराज जं. और कानपुर सेंट्रल स्टेशन।

स्थान: 2 टियर वाता., 3 टियर वाता., शयनयान एवं सामान्य श्रेणी।

03255/03256 पटना जं. - आनन्द विहार टर्मिनल - पटना जं. सुपरफास्ट एक्सप्रेस विशेष रेलगाड़ी (द्वि-साप्ताहिक) — 26 फेरे

गाड़ी सं. 03255		↓ स्टेशन ↑	गाड़ी सं. 03256	
आगमन	प्रस्थान		आगमन	प्रस्थान
----	22:20	पटना जं.	17:20	----
15:00	----	आनन्द विहार टर्मिनल	----	23:20

चलने के दिन: 03255 पटना जं. से प्रत्येक रविवार व गुरुवार को दिनांक 03.10.2024 से 14.11.2024 तक तथा **03256 आनन्द विहार टर्मिनल** से प्रत्येक सोमवार व शुक्रवार को दिनांक 04.10.2024 से 15.11.2024 तक।

ठहराव: दानापुर, आरा, बक्सर, पंडित दीन दयाल उपाध्याय जं., प्रयागराज जं. और कानपुर सेंट्रल स्टेशन।

स्थान: 2 टियर वाता., 3 टियर वाता., 3 टियर वाता. इकॉनोमी, शयनयान एवं सामान्य श्रेणी।

03257/03258 दानापुर - आनन्द विहार टर्मिनल - दानापुर सुपरफास्ट एक्सप्रेस विशेष रेलगाड़ी (साप्ताहिक) — 12 फेरे

गाड़ी सं. 03257		↓ स्टेशन ↑	गाड़ी सं. 03258	
आगमन	प्रस्थान		आगमन	प्रस्थान
----	07:30	दानापुर	20:45	----
00:30	----	आनन्द विहार टर्मिनल	----	05:00

चलने के दिन: 03257 दानापुर से प्रत्येक रविवार को दिनांक 06.10.2024 से 10.11.2024 तक तथा **03258 आनन्द विहार टर्मिनल** से प्रत्येक सोमवार को दिनांक 07.10.2024 से 11.11.2024 तक।

ठहराव: आरा, बक्सर, पंडित दीन दयाल उपाध्याय जं., प्रयागराज जं. और कानपुर सेंट्रल स्टेशन।

स्थान: 2 टियर वाता., 3 टियर वाता., शयनयान एवं सामान्य श्रेणी।

विस्तृत विवरण के लिए कृपया रेलमदद हेल्पलाइन नं. 139 डायल करें अथवा रेलगाड़ी पूछताछ वेबसाइट www.enquiry.indianrail.gov.in देखें।

रेलमदद हेल्पलाइन नं. 139

रेलमदद वेबसाइट देखें: www.railmadad.indianrailways.gov.in
रेलमदद ऐप डाउनलोड करें

2694/2024

पर हमें फॉलो करें

उत्तर रेलवे
सदैव आपकी सेवा में
हमें www.nr.indianrailways.gov.in पर मिलें

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

Office of the Executive Officer, Nagar Palika Parishad
Dadri, Gautambuddha Nagar
e-Procurement Notice

Letter No.1395/N.P.P.D./E-Tender/2024-25 Dated: - 30-08-2024

The Nagar Palika Parishad, Dadri, Gautambuddha Nagar invites the S.F.C./ Body Fund Grant percentage rate bids through e-tendering system from the cligible and approved Contractors registered with autonomous body/Public Sector Department/ State Government/ Central Government or any government department. The Bidder may submit bids for any or all of the works. Period of availability of Bidding Documents on website https://etender.up.nic.in. **From Date- 31-08-2024 To Date- 20-09-2024.** The Bids will be opened online by the authorized officer at the appointed time Date 21-09-2024 Time-12:30 PM. Bid security & Tender Fees will be only in the form of **R.T.G.S./ N.E.F.T.** of a scheduled HDFC Bank, Dadri, Gautambuddha Nagar, **A/C No-50100065525653, IFSC Code: - HDFC0000927** pledged in favor of concerned Executive Officer, Nagar Palika Parishad, Dadri, Gautambuddha Nagar.

Name of works as per table.

S. No	Name of work	Total estimated Cost (in Lakh)	Bid security (EMD)	Cost of Bid document including GST (in Rupees)	Period of completion on including rainy season
1	2	3	4	5	6
1	Fixation of rates of Different Construction works of damaged drains, crossing, culvert, gali, gardens and repair of buildings at various places in Nagar Palika Parishad Limit.	09,94,000.00	99,400.00	1,180.00	02 Month

(Umesh Sarma) Clerk Nagar Palika Parishad, Dadri, Gautambuddha Nagar | (Jaipal Singh) Junior Engineer Nagar Palika Parishad, Dadri, Gautambuddha Nagar | (Shalini Gupta) Executive Officer Nagar Palika Parishad, Dadri, Gautambuddha Nagar | (Geeta Sharma) Chairman Nagar Palika Parishad, Dadri, Gautambuddha Nagar

यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण

YEIDA FUTURE IS HERE

प्रथम तल, कॉमर्शियल कॉम्पलेक्स, ओमेगा-1 (पी-2), ग्रेटर नौएडा सिटी, जनपद-गौतमबुद्धनगर-201308 (उ0प्र.)
फोन नं0: 0120-2395153, वेबसाइट: www.yamunaexpresswayauthority.com

पत्रांक : वाई.ई.ए./भूलेख(तह0)/916/2024 दिनांक: 29.08.2024

सार्वजनिक सूचना

निम्नलिखित भूमि यमुना एक्सप्रेसवे औ० वि० प्राधिकरण द्वारा आपसी सहमति के आधार पर प्राधिकरण के पक्ष में क्रय किया जाना प्रस्तावित है:-

ग्राम रबूपुरा मैडिकल डिवाइस पार्क सेक्टर-28

क्रम सं0	खाता संख्या	काश्तकार का नाम	खसरा संख्या	गाटे का कुल क्षेत्रफल (हे०)	तहसील की आख्यानुसार काश्तकार का भाग	काश्तकार का विक्रय हेतु क्षेत्रफल (हे0 में)
1.	1082	श्री इस्लाम पुत्र लाला व लुकमान पुत्र रहमतुल्ला व सुलेमान पुत्र बाबू नि० रबूपुरा	1206	2.2950	0.1690	0.1690
2.	755	श्री राजू पुत्र राजवीर सिंह नि० रबूपुरा	1496	2.5060	0.2950	0.2950
3.	755	श्री नेम सिंह पुत्र राजवीर सिंह नि० रबूपुरा	1496	2.5060	0.2950	0.2950
4.	755	श्री विक्रम सिंह पुत्र राजवीर सिंह नि० रबूपुरा	1496	2.5060	0.2950	0.2950
5.	755	श्री राजवीर सिंह पुत्र जंगलिया नि० रबूपुरा	1496	2.5060	1.3260	1.3260
6.	755	श्री वेदप्रकाश पुत्र राजवीर सिंह नि० रबूपुरा	1496	2.5060	0.2950	0.2950

उपरोक्त भूमि को प्राधिकरण के पक्ष में क्रय किये जाने में यदि किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति है तो वह लिखित रूप में प्रकाशन के 15 दिनों के अन्दर सी०आर०सेल/तहसीलदार यमुना एक्सप्रेसवे औ० वि० प्राधिकरण के समक्ष अपनी आपत्ति प्रस्तुत कर सकता है।

विशेष कार्याधिकारी
यमुना एक्सप्रेसवे औ0 वि0 प्राधिकरण

महत्वपूर्ण सूचना: यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण के अधिसूचित क्षेत्र में प्राधिकरण द्वारा स्वीकृत मास्टर प्लान के अतिरिक्त प्लॉटिंग/हाउसिंग/कॉलोनी या किसी भी प्रकार का अन्य निर्माण पूरी तरह से अवैध है। सामान्यजन इस प्रकार की खरीद-फरोख्त से पूर्णतः सचेत रहें तथा कॉलोनाइजर के भ्रामक विज्ञापनों से बचें। अधिक जानकारी के लिए प्राधिकरण की वेबसाइट www.yamunaexpresswayauthority.com देखें।

खास खबर

चेन्नई में बनेगा 10जी-100जी नेटवर्क टेस्टबेड

चैन्नई। नोकिया और तमिलनाडु सरकार के बीच चेन्नई में विश्व का सबसे बड़ा फिक्स्ड नेटवर्क टेस्टबेड स्थापित करने का समझौता किया जाएगा। यह टेस्टबेड अल्ट्रा-हाई-स्पीड इंटरनेट एक्सेस और तेज बैंडविड्थ के क्षेत्र में तकनीकी नवाचार को बढ़ावा देगा। शुक्रवार को मल्टीनेशनल टेलीकॉम कंपनी नोकिया एक समझौते पर हस्ताक्षर करेंगी। यह टेस्टबेड नोकिया की 10 गीगाबिट , 25जी, 50जी, और 100जी पैसिव ऑप्टिकल नेटवर्क्स में तकनीकी नवाचारों का नेतृत्व करेगा। करीब 450 करोड़ रुपए के निवेश से यह केंद्र स्थापित किया जाएगा और नोकिया की प्रमुख अनुसंधान और विकास प्रयोगशालाओं में से एक बनेगा। यह फिक्स्ड वायरलेस एक्सेस, मल्टी-ड्वेलिंग यूनिट सॉल्यूशंस, एक्सेस नेटवर्क्स और होम कंट्रोलर्स पर भी ध्यान केंद्रित करेगा।

प्रेस्टीज एस्टेट्स ने बनाई 5,000 करोड़ जुटाने की योजना

नई दिल्ली। रियल एस्टेट कंपनी प्रेस्टीज एस्टेट्स प्रोजेक्ट्स लिमिटेड ने निजी नियोजन के जरिए संस्थागत निवेशकों को शेयर बेचकर 5,000 करोड़ रुपये तक जुटाने की योजना बनाई है। कंपनी ने हाल ही में अपना पात्र संस्थागत नियोजन (क्यूआईपी) पेश किया। निदेशक मंडल की धन जुटाने वाली समिति ने क्यूआईपी के लिए 1,755 .09 रुपये प्रति शेयर की न्यूनतम कीमत को मंजूरी दी है। कंपनी ने जुलाई में अपने शेयरधारकों से सार्वजनिक या निजी नियोजन के जरिये पूंजी जुटाने की मंजूरी ली थी। बेंगलुरु स्थित प्रेस्टीज एस्टेट्स देश के अग्रणी डेवलपर में से एक है, जिसकी दक्षिण भारत के बाजार में महत्वपूर्ण उपस्थिति है। कंपनी ने मुंबई और दिल्ली-राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र के बाजारों में भी प्रवेश किया है।

रुपया सात पैसे मजबूत होकर 83 .82 डॉलर पर

मुंबई। विदेशी पूंजी प्रवाह और घरेलू शेयर बाजारों में सकारात्मक रुख के दौरान रुपया शुक्रवार को शुरूआती कारोबार में सात पैसे मजबूत होकर 83 .82 प्रति डॉलर पर पहुंच गया। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनियम बाजार में रुपया 83 .83 प्रति डॉलर पर खुला। शुरूआती सौदों के बाद 83 .82 प्रति डॉलर पर पहुंच गया जो उसके पिछले बंद भाव से सात पैसे की बढ़त दर्शाता है। रुपया गुरुवार को अमेरिकी मुद्रा के मुकाबले 83 .89 पर बंद हुआ था।

जोमैटो तीसरा बड़ा बिजनेस-टु-कंज्यूमर कारोबार करेगी शुरु

नई दिल्ली। फूड डिलिवरी और क्विक कॉमर्स क्षेत्र में कारोबार मुनाफे में पहुंचाने के बाद जोमैटो के डिस्ट्रिक्ट ऐप के जरिये अपना तीसरा बड़ा बिजनेस-टु-कंज्यूमर (बी2सी) कारोबार शुरू करने की योजना पर काम कर रही है। जो जल्द ही शुरू होने की उम्मीद है। इस नए कारोबार के साथ जोमैटो बड़े स्तर पर असंगठित लाइव कार्यक्रमों और टिकटिंग मार्केट में अपना भाग्य आजमा रही है। ई-कॉमर्स के एक निवेशक ने कहा कि जोमैटो ऐसे कारोबार बना रही है जो एक-दूसरे से अलग स्वतंत्र रूप से काम कर सकते हैं। इसका फायदा यह है कि अगर कोई विशेष कारोबार वांछित रिटर्न नहीं देता है ।

वैश्विक लेन-देन को तेज और सस्ता बनाने की दिशा में आरबीआई कर रहा काम

यूपीआई का दुनिया में फैल रहा नेटवर्क

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के गवर्नर यूपीआई जैसे समाधानों की पहुंच को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर लाने की मंशा रखते हैं। इसके लिए आरबीआई विदेशों में यूपीआई इंफ्रास्ट्रक्चर की तैनाती, क्यूआर कोड-आधारित भुगतान की सुविधा और यूपीआई को अन्य देशों की भुगतान प्रणालियों से जोड़ने की दिशा में काम किया जा रहा है लेकिन वैश्विक लेन-देन को तेज और सस्ता बनाने के लिए यूपीआई जैसे भुगतान माध्यमों को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर आपस में जोड़ने में अमेरिका अड़ंगा लगा रहा है। अमेरिका के फेडरल रिजर्व सिस्टम के बोर्ड ऑफ

गवर्नर्स के सदस्य क्रिस्टोफर जे. वालर ने यूपीआई जैसे विकल्पों की तेजी से भुगतान करने की क्षमता पर सवाल उठाए हैं। ग्लोबल फिनटेक फेस्ट में क्रिस्टोफर ने यूपीआई को लेकर कहा कि आज के उपभोक्ता और व्यवसाय दुनिया के किसी भी हिस्से में रुपया भेज सकते हैं, लेकिन वे चाहते हैं कि ये भुगतान तेज और सस्ते हों, जैसे हम हमेशा तेज उड़ानें और सस्ते हवाई किराए चाहते हैं। उन्होंने कहा मुझे पूरा विश्वास नहीं है कि इंटरलिंकिंग व्यवस्थाएं इन लक्ष्यों को हासिल कर सकेंगी। इसी फेस्?ट में आरबीआई गर्वनर शक्तिकांत दास और भारतीय रिजर्व बैंक के कार्यकारी निदेशक पी. वासुदेवन ने भी शामिल हुए थे। वासुदेवन ने कहा कि भारत-अमेरिका के बीच फास्ट पेमेंट नेटवर्क को जोड़ने के विचार को लेकर आरबीआई आशान्वित हैं। उन्होंने कहा कि आपने एक सकारात्मक उम्मीद दी है कि हम फेडनॉउ और यूपीआई के बीच लिंकेज होते देख सकते हैं, भले ही इसमें थोड़ा समय लगे। गौरतलब है कि अमेरिकी फेड ने अपना खुद का तेज भुगतान नेटवर्क, फेडनॉउ सर्विस, लॉन्च किया है। अमेरिका को अभी इसे पूरे अमेरिका में विस्?तारित करने में कुछ समय लगेगा। आरबीआई गर्वनर शक्तिकांत दास ने कहा कि हमारा मुख्य एजेंडा विदेशों में यूपीआई इंफ्रास्ट्रक्चर की तैनाती, अंतरराष्ट्रीय व्यापारी स्थानों पर यूपीआई ऐप के जरिए से क्यूआर कोड-आधारित भुगतान की सुविधा प्रदान करना और सीमा पार प्रेषण के लिए यूपीआई को अन्य देशों की फास्ट पेमेंट सिस्टम से जोड़ना है। उन्होंने कहा कि भूटान, नेपाल, श्रीलंका, सिंगापुर, यूएई, मॉरीशस, नामीबिया, पेरू, फ्रांस और कुछ अन्य देशों में इस दिशा में प्रगति हो चुकी है।

बिहार-झारखण्ड ने उपभोक्ताओं के लिए डेटा स्पीड व नेटवर्क कवरेज को बढ़ाया

एजेंसी

रांची। दूरसंचार सेवा प्रदाता वी ने बिहार और झारखण्ड में अपने नेटवर्क पर अपग्रेड्स की घोषणा की है। इस घोषणा के साथ कंपनी ने प्राथमिकता सर्कल के रूप में राज्य के लिए अपनी प्रतिबद्धता को और मजबूत बना लिया है। अप्रैल में एफपीओ के बाद, वी ने अपने नेटवर्क में सुधार लाने तथा वी गीगानेट के माध्यम से वॉइस एवं डेटा सेवाओं को बेहतर बनाने के लिए भारी निवेश किया है। इन प्रयासों के तहत कंपनी ने बिहार-झारखण्ड सर्कल में अपनी 4जी क्षमता को 150 फीसदी तक बढ़ाकर बेहतर कवरेज एवं तेज स्पीड को सुनिश्चित किया है। 3400 साईट्स जैसे बेगुसराय, बेतिया, दरभंगा, बिहार शरीफ, बोधगया, डेहरी, गोपालगंज, हाजीपुर, मधुबनी, मोतीहारी, नवादा, हजारीबाग, जमशेदपुर, देवघर, बोकारो आदि में 2100 एमएचजेड बैण्ड में 3जी स्पैक्ट्रम की 4जी में पुनःतैनाती की है।

4300 साईट्स जैसे पटना, धनबाद, रांची, जमशेदपुर, गया, बोकारो, भागलपुर, मुजफ्फरपुर, दरभंगा, पुर्णिया, बेगुसराय, आरा, मुंगेर, छपरा आदि में 1800 एमएचजेड स्पैक्ट्रम बैण्डविड्थ का विस्तार ज्यादा इस्तेमाल वाले क्षेत्रों जैसे पटना, आरा, गया, मोतीहारी, मुजफ्फरपुर, भागलपुर, दरभंगा आदि में 2500 एमएचजेड बैण्ड की क्षमता को दोगुना कर दिया गया है। इन सभी अपग्रेड्स के चलते डेटा स्पीड में 35 फीसदी की बढ़ोतरी हुई है, और बिहार एवं झारखण्ड के उपभोक्ताओं को सहज अनुभव मिला है। वी अपने कोर नेटवर्क को अपग्रेड कर 5जी के लिए तैयार कर रहा है, इसके लिए कई तरह के सुधार किए जा रहे हैं जैसे ई-सिम के फायदे, बेहतर आकीर्टेक्चर और बेहतर इंडोर सेवाओं के लिए रोलआउट करना।

शेयर बाजार बढ़त पर बंद

एजेंसी

मुम्बई। घरेलू शेयर बाजार शुक्रवार को बढ़त पर बंद हुआ। सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन बाजार में ये उछाल दुनिया भर से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही खरीददारी हावी रहने से आया है। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स सेंसेक्स 231.16 अंक करीब 0.28 फीसदी की बढ़त के साथ ही 82,365.77 पर बंद हुआ। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 83.95 अंक करीब 0.33 फीसदी ऊपर आकर 25,235.90 के स्तर पर बंद हुआ। आज कारोबार के दौरान सेंसेक्स के 30 शेयरों में से 22 शेयर जबकि निफ्टी के 50 शेयरों में से 41 शेयर बढ़त पर बंद हुए। जानकारों का मानना है कि दुनिया भर के मार्केट इस समय सितंबर में अमेरिकी फेड की तरफ से ब्याज दरों में कमी का की राह देख रहे हैं। अमेरिकी और भारतीय बाजारों में ये बढ़त निवेशकों के सकारात्मक रुख को दिखा रही है। आज कारोबार के दौरानर शेयर बाजार में फार्मा कंपनी सिप्ला के शेयरों में तेजी रही। सिप्ला के शेयर आज 2.23 फीसदी की बढ़त के साथ ही

1654.6 के स्तर पर बंद हुए। इसके अलावा, बजाज फाइनेंस, महिंद्रा एंड महिंद्रा (एमएंडडम), डीविज लैब और एनटीपीसी के शेयर भी बढ़े। इसी प्रका बीएसई पर बजाज फाइनेंस उछला। इसके अलावा, महिंद्रा एंड महिंद्रा, एनटीपीसी, बजाज फिनसर्व और भारती एयरटेल के शेयर भी ऊपर आये। वहीं टाटा मोटर्स के शेयरों में 1.13 फीसदी की सबसे ज्यादा गिरावट रही। ऑटो कंपनी के शेयर आज नीचे आये। इसके अलावा, एचडीएफसी बैंक, टेक महिंद्रा, कोल इंडिया और रिलायंस के शेयर भी गिरे। टाटा मोटर्स, रिलायंस, टेक महिंद्रा, आईटीसी, एचडीएफसी बैंक, नेस्ले, मारुति सुजूकी और टाटा स्टील के शेयरों में भी गिरावट रही। वहीं सेक्टोरल इंडेक्स की बात की जाए तो इस बार निफ्टी आईटी 0.46 फीसदी और फार्मा 1.48 फीसदी बढ़त के साथ रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंच गए। इस बीच, बैंक निफ्टी, निफ्टी पीएसयू बैंक और निफ्टी ऑटो इंडेक्स लगातार दूसरे सेशन में आगे बढ़े। वहीं व्यापक बाजार की बात करें तो निफ्टी मिडकैप और निफ्टी स्मॉलकैप में 2 सेशन की गिरावट बंद हुई। निफ्टी मिडकैप 100 0.68 फीसदी और निफ्टी स्मॉलकैप 100 में 0.48 फीसदी की बढ़त रही। इससे पहले आज सुबह बाजार की शुरूआत तेजी के साथ हुई। बीएसई सेंसेक्स 324.46 अंक की बढ़त के साथ 82,459.07 पर खुला, जबकि निफ्टी 50, 89.30 अंक की बढ़त के साथ 25,241.25 पर खुला। अमेरिका में मजबूत जीडीपी आंकड़े जारी होने के बाद मंदी की आशंकाओं के कारण घबराए हुए निवेशकों ने राहत की सांस ली है। एशियाई बाजारों की बात करें तो जापान का निक्की 225 मामूली बढ़त के साथ कारोबार कर रहा था।

मूडीज ने भारत की जीडीपी विकास दर 7.2 प्रतिशत की

एजेंसी

नई दिल्ली। अमेरिकी रेटिंग एजेंसी मूडीज की ओर से 2024 के लिए भारत की जीडीपी विकास दर अनुमान को बढ़ाकर 7.2 प्रतिशत किया है, जो कि पहले 6.8 प्रतिशत था। विकास दर अनुमान में बढ़ोतरी की वजह देश में निजी खपत का तेजी से बढ़ना है। मूडीज ने कहा, देश में महंगाई में कमी आने से पारिवारिक खपत में बढ़ोतरी हो रही है। सामान्य से अच्छा मानसून रहने के कारण अच्छी फसल होने की उम्मीद है, इसकारण ग्रामीण मांग वापस लौट रही है। इस अनुमान में माना है कि आगे मजबूत वृद्धि दर देखने को मिलेगी। मूडीज का यह अनुमान आरबीआई के अनुमान के बराबर है। केंद्रीय बैंक आरबीआई के अनुमान के मुताबिक वित्त वर्ष 2024-25 में भारतीय अर्थव्यवस्था 7.2 प्रतिशत की दर से बढ़ सकती है। इसका कारण देश में ग्रामीण और शहरी मांग में बढ़ोतरी होना है। आरबीआई की ओर से वृद्धि दर अनुमान के दौरान बताया गया था कि देश में मानसून तेजी से आगे बढ़ रहा है। इससे कृषि क्षेत्र में मजबूत ग्रोथ देखने को

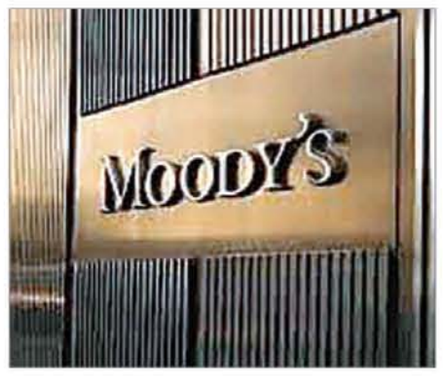

मिल सकती है। मूडीज द्वारा 2025 के लिए विकास दर अनुमान को भी 6.4 प्रतिशत से बढ़ाकर 6.6 प्रतिशत कर दिया गया है। मौजूदा माहौल में देश आराम से 6 से 7 प्रतिशत की जीडीपी वृद्धि दर हासिल कर सकता है। रेटिंग एजेंसी ने कहा कि भारत की आर्थिक स्थिति पिछले कुछ वर्षों में काफी मजबूत हुई है। इसकी वजह चालू खाते घाटे को कम करना है।

शो श्रीमद् रामायण में अयोध्या में मनी पहली दिवाली

एजेंसी

नई दिल्ली। सोनी सब के 'श्रीमद् रामायण' का बहुत महत्व है जो दिव्य जोड़ी अयोध्या लौटी हैं। उनकी वापसी से पहले श्री राम, हनुमान को उनके अयोध्या वापस आने की खबर देने के लिए भेजते हैं, ताकि निवासियों में कुछ आशा और उत्साह दिखे। आगामी एपिसोड में वापसी सुनकर निवासियों के मनोदशा को देखते हुए हनुमान और भरत सुझाव देते हैं कि लोगों को अंधेरे और नकारात्मकता को दूर करने के लिए दीये जलाने चाहिए। इसके बाद अयोध्या में रोशनी और खुशियों का माहौल बन जाता है, क्योंकि श्री राम और सीता आखिरकार लौट आते हैं। इस तरह पहली बार दिवाली मनाई जाती है। शो में यह क्षण आशा और अंधकार पर प्रकाश की जीत का प्रतीक है, जो दिवाली का असली सार है।

सैमसंग टीवी प्लस ने एचडी व द लल्लनटॉप को जोड़ा

रांची। सैमसंग टीवी प्लस ने अपने चैनलों में आज तक एचडी और द लल्लनटॉप को जोड़ने की घोषणा की है। सैमसंग टीवी प्लस और टीवी टुडे नेटवर्क के बीच यह साझेदारी दर्शकों को बेहतरीन प्रोग्रामिंग देने और तेजी से बदलती दुनिया में उनकी जरूरतों को पूरा करने की सैमसंग की प्रतिबद्धता को मजबूत करती है। टीवी टुडे नेटवर्क का द लल्लनटॉप और आज तक एचडी का फास्ट चैनल दर्शकों को उनके घर की सबसे बड़ी स्क्रीन पर बेहतरीन और मुफ्त कंटेंट उपलब्ध कराएगा। जैसे-जैसे अधिक परिवार इंटरनेट से जुड़े स्मार्ट टीवी का चुनाव कर रहे हैं।

एरिस्टा वॉल्ट समाधानों से यात्रा को सुरक्षित बनाना

एजेंसी

रांची। भारत का पहला स्मार्ट लगेज ब्रैंड, एरिस्टा वॉल्ट गुणवत्ता या टिकाऊपन से समझौता किए बिना सुरक्षा और सिक्योरिटी को सभी के लिए सुलभ बनाने वाला प्रवर्तक लीडर है। हमारा विजन उन्नत समाधानों से जनता को सशक्त बनाना है, ताकि उन्हें हर कदम पर सुरक्षित सफर की अनुभूति हो। रोजमर्रा की ज़िंदगी में बेहतर सिक्योरिटी और सेफ्टी की जरूरत को पहचानकर, पूर्व फैशन डिजाइनर और एरिस्टा वॉल्ट की संस्थापिका पूर्वी रॉय और सह-संस्थापक अतुल गुप्ता, एरिस्टा वॉल्ट की स्थापना के लिए प्रेरित हुए। 17 साल की उम्र में रेलवे टिकट कलेक्टर बनने से लेकर भारतीय लेखा परीक्षा और लेखा विभाग में यूपीएससी-क्वालिफाइड पेशेवर बनने तक, अतुल का जीवन उनकी नवीनता की भावना को दर्शाता है। अतुल को एरिस्टा वॉल्ट की सह-संस्थापना

करने की प्रेरणा तब मिली जब दिल्ली मेट्रो में उनका वॉलेट चोरी हो गया, जिससे वह हैरान और परेशान रह गए। इस अनुभव ने तकनीक का इस्तेमाल करके यात्रा को सुरक्षित बनाने के उनके विजन को प्रेरित किया।एरिस्टा वॉल्ट की संस्थापिका और सीईओ पूर्वी रॉय कहती हैं, ह्लज़िंदगी में हर दिन की भागदौड़ में मोबाइल फोन, वॉलेट और बैग हमारे साथी हैं। एरिस्टा स्मार्ट के उत्पाद किफायती, हाई-टेक समाधान हैं जो सुनिश्चित करते हैं कि यात्रा के दौरान ये सामान सुरक्षित रहें। अपनी स्थापना के बाद से, कंपनी 8 पेटेंट अर्जित करके और 6 ट्रेडमार्क हासिल करके, यात्रा के लिए पारंपरिक लगेज को अपग्रेड करने में सबसे आगे रही है। एरिस्टा वॉल्ट सभी को सुरक्षित सफर का अनुभव देना चाहता है, और हम अपने भविष्यवादी उत्पादों और एसेसरीज की नवीन रेंज से इसे हासिल कर रहे हैं।स्मार्ट वॉलेट से लेकर स्मार्ट लगेज तक, हमारा प्रोडक्ट पोर्टफोलियो यात्रियों को मानसिक शांति देने और चोरी से सुरक्षित रखने के लिए डिजाइन किया गया है। जो चीज हमें अनूठा बनाती है वह है अपना खुद का ख्याल रखने वाला लगेज बनाने की हमारी प्रतिबद्धता। यह क्रांतिकारी अवधारणा आपकी भावी यात्राओं को फिर से परिभाषित करती है। जीपीएस, आरएफआईडी, फिंगरप्रिंट लॉक और एंटी-लॉस्ट/एंटी-थेफ्ट अलार्म सुविधाओं जैसी उन्नत तकनीकों का इस्तेमाल करते हुए।

रियलमी 13 सीरीज 5जी 17,999 के शुरुआती में

एजेंसी

रांची। भारतीय युवाओं के सबसे लोकप्रिय स्मार्टफोन ब्रांड, रियलमी ने आज अपनी बहुप्रतीक्षित रियलमी 13 सीरीज 5जी लॉन्च की। नंबर सीरीज में नए स्मार्टफोन के साथ ही रियलमी बड्स टी01 भी पेश किए गए। रियलमी 13 सीरीज 5जी अपनी अतुलनीय स्पीड के साथ स्मार्टफोन उद्योग में परफॉर्मेंस के मानकों को बदल देगी। रियलमी अपनी नंबर सीरीज नई टेगलाईनः नैक्स्ट-जेन पॉवर के साथ पेश कर रहा है। इसका उद्देश्य मिड-रेंज मूल्य वर्ग में पॉवर और परफॉर्मेंस के नए मानक स्थापित करना है। रियलमी 13 सीरीज 5जी नंबर सीरीज में अब तक की सबसे शक्तिशाली पेशकश है। इस लॉन्च के बारे में रियलमी के प्रवक्ता ने कहा, हम रियलमी 13 सीरीज 5जी पेश करके बहुत उत्साहित हैं। यह हमारे सफर में एक बड़ी उपलब्धि है। इस लॉन्च के साथ हम नई टेगलाईनः नैक्स्ट-जेन पॉवर लेकर आए हैं। रियलमी नंबर

सीरीज में यह हमारे पोर्टफोलियो का केवल एक नया उत्पाद ही नहीं, बल्कि एक गेम-चेंजर है, जो मिड रेंज मूल्य वर्ग में पॉवर और परफॉर्मेंस के नए मानक स्थापित कर रहा है। रियलमी 13 सीरीज 5जी नंबर सीरीज में अब तक की सबसे शक्तिशाली पेशकश है। हमारा मानना है कि अपने आधुनिक फीचर्स और बेहतर परफॉर्मेंस के साथ यह मिड रेंज स्मार्टफोन के क्षेत्र में हलचल मचा देगा। हमें लोगों के दैनिक जीवन में फ्लैगशिप अनुभव लाने पर गर्व है, जिससे यूजर्स की अपेक्षाओं से बेहतर असाधारण उत्पाद प्रदान करने की हमारी प्रतिबद्धता प्रदर्शित होती है।इस लॉन्च के बारे में अनुज सिद्धार्थ, डायरेक्टर, मार्केटिंग एवं कम्युनिकेशंस, मीडियाटेक ने कहा, ह्यह्यमीडियाटेक डायमेंसिटी 7300 एनर्जी एक फ्लैगशिप ग्रेड की चिपसेट है, जिसमें सर्वश्रेष्ठ 4एनएम प्रक्रिया का उपयोग किया गया है। यह नैक्स्ट जनरेशन की क्षमताओं के साथ पॉवर और एफिशियंसी का बेहतरीन संतुलन प्रदान करती है। उन्होंने आगे कहा, यह चिपसेट 10 बिट डिस्प्ले, एआई वर्कलोड के लिए शक्तिशाली एनपीयू, मीडियाटेक हाईपरइंजन ऑप्टिमाईजेशन के साथ बेहतर गेमिंग फीचर्स और शानदार फोटोग्राफी अनुभव को सपोर्ट करती है। रियलमी 13+ 5जी में मीडियाटेक डायमेंसिटी 7300 एनर्जी के साथ मीडियाटेक 5जी अल्ट्रासेव 3.0 और ड्युअल 5जी सिम सपोर्ट जैसी प्रभावशाली टेक्नोलॉजी दी गई हैं।

प्रसारण मंत्रालय के कर्मियों ने कर्पूरी ठकुर सदन के पास किया पौधारोपण

एजेंसी

पटना। सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय, भारत सरकार के प्रेस इन्फॉर्मेशन ब्यूरो(पीआईबी) एवं केंद्रीय संचार ब्यूरो(सीबीसी) पटना के अधिकारियों-कर्मचारियों के द्वारा शुक्रवार (30 अगस्त 2024) को एक पेड़ माँ के नाम वैश्विक अभियान के तहत आशियाना-दीघा रोड पर स्थित कपूर्री ठकुर सदन के बाहरी परिसर में अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा 20 से अधिक पौधे लगाए गए, जिनमें मुख्य रूप से अशोक, महोगनी, अर्जुन आदि के पौधे थे। 'एक पेड़ माँ के नाम' एक वृक्षारोपण अभियान है, जिसकी शुरूआत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने विश्व पर्यावरण दिवस 2024 पर की थी। पौधारोपण अभियान पीआईबी के निदेशक आशीष लकड़ा और सीबीसी के कार्यालय प्रमुख संजय कुमार के नेतृत्व में चलाया गया। मौके पर पीआईबी के निदेशक आशीष लकड़ा कहा कि जहाँ पर्यावरण के लिए पेड़ अहम है वही जीव-जंतु को जीवन प्रदान करने वाला है इसलिए पर्यावरण और पेड़ के बीच बहुत ही अटूट संबंध है। वही सीबीसी के कार्यालय प्रमुख संजय कुमार ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण की जिम्मेदारी प्रत्येक व्यक्ति की है और हर व्यक्ति को एक पेड़ माँ के नामअभियान से जुड़ कर पेड़-पौधे लगाने चाहिए। उन्होंने कहा कि पेड़ सिर्फ जीव जंतु को ही जीवन नहीं देता बल्कि कृषि मृदा, जल की गुणवत्ता और जैव विविधता को भी बेहतर बनाये रखता है । एक पेड़ माँ के नाम अभियान के तहत वन प्रमंडल पटना की ओर से प्राप्त पौधों को लगाया गया। सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय, भारत सरकार के प्रेस इन्फॉर्मेशन ब्यूरो एवं केंद्रीय संचार ब्यूरो के नवल झा, अमरेन्द्र मोहन, योगेन्द्र प्रसाद, अभय कुमार,अफरोज आलम,रंजित,अरविन्द, सुरेन्द्र, राजू,हितेंद्र मिश्रा, राकेश, मुकेश रौशन,एश्वर्य आदि ने एक पेड़ माँ के नाम पौधा लगाया। साथ ही पौधा की देखभाल का भी संकल्प लिया ।

पृष्ठ एक के शेष....

महिलाओं की सुरक्षा पर ...

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सम्मेलन में मौजूद लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि न्याय में देरी को खत्म करने के लिए पिछले एक दशक में कई स्तरों पर काम हुआ है। पिछले 10 वर्षों में देश ने न्यायिक बुनियादी ढांचे के विकास के लिए लगभग 8 हजार करोड़ रुपये खर्च किए गए हैं। पिछले 25 वर्षों में न्यायिक बुनियादी ढांचे पर जितनी राशि खर्च की गई, उसका 75 प्रतिशत पिछले 10 वर्षों में ही खर्च किया गया है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि मैं विश्वास के साथ कह सकता हूं कि सुप्रीम कोर्ट ने हमारी संस्था में हमारे विश्वास और भरोसे को कायम रखा है। आपातकाल के काले दौर में भी सुप्रीम कोर्ट ने हमारे मौलिक अधिकारों की गारंटी दी और जब भी राष्ट्रीय हित का सवाल आया, सुप्रीम कोर्ट ने हमेशा राष्ट्रीय अखंडता की रक्षा की।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि भारत के लोगों ने कभी भी भारतीय न्यायपालिका और सर्वोच्च न्यायालय पर अविश्वास नहीं किया है। इसलिए, सर्वोच्च न्यायालय के ये 75 वर्ष लोकतंत्र की जननी के रूप में भारत के गौरव को और बढ़ाते हैं। मैं विश्वास के साथ कह सकता हूं कि सुप्रीम कोर्ट ने हमारी संस्था में हमारे विश्वास और भरोसे को बरकरार रखा है।

यूपी सिपाही भर्ती की.....

वहीं परीक्षा में सेंध लगाने का प्रयास करने वाले 22 लोगों को गिरफ्तार किया गया, जिसमें 3 सॉल्वर हैं। वहीं परीक्षा से पूर्व 94 अभ्यर्थियों के दस्तावेज संदिग्ध पाए गए, हालांकि उन्हें परीक्षा देने दी गई। उनके दस्तावेजों की स्क्रूटनी उप्र पुलिस भर्ती एवं प्रोन्नति बोर्ड द्वारा की जाएगी।

नोएडा में फिर ....

इसके अलावा, विभिन्न कंपनियों के कुल 30 मोबाइल फोन भी बरामद किए गए हैं। पूछताछ में पता चला कि ये मोबाइल फोन 23-24 अगस्त 2024 की रात सेक्टर-69 स्थित एक वेयरहाउस से चोरी किए गए थे। पुलिस ने बताया कि इस चोरी में शामिल अन्य अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए एक टीम रवाना कर दी गई है।

खेत में मिला बंद....

मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के सही कारण का पता चलेगा।

थाना प्रभारी सुजीत उपाध्याय ने बताया कि शव 10-12 दिन से ज्यादा पुराना प्रतीत हो रहा है। उन्होंने बताया कि आसपास के लोगों और सोशल मीडिया के माध्यम से शव की पहचान कराने का प्रयास किया जा रहा है।

नवविवाहिता ने पंखे से....

वह मूल रूप से दिल्ली के रमेश नगर के रहने वाले थे।

थाना फेस-3 क्षेत्र के मामूरा गांव के गली नंबर-7 मे रहने वाले मन्नू पुत्र टुनटुन राय उम्र 24 वर्ष ने मानसिक तनाव के चलते आज अपने घर पर पंखे से फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। वह मूल रूप से जनपद सिवान बिहार के रहने वाले थे। वहीं थाना सेक्टर-20 क्षेत्र में रहने वाले रामधनी (50 वर्ष) की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई है।

टोयोटा ने यूनियन बैंक ऑफ इंडिया के साथ की साझेदारी

जमशेदपुर। टोयोटा किर्लोस्कर मोटर (टीकेएम) ने व्यापक और सुलभ वाहन वित्तपोषण समाधानों को सक्षम करने के लिए यूनियन बैंक ऑफ इंडिया के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर करने की घोषणा की। इसका उद्देश्य ग्राहकों की उभरती जरूरतों को पूरा करना और टोयोटा वाहनों को पहले से कहीं अधिक सुलभ बनाने के लिए अभिनव और आकर्षक समाधान प्रदान करना है। निजी उपयोग के लिए खरीदे गए टोयोटा के किसी भी वाहन की ऑन-रोड कीमत पर 90 फीसदी तक वित्तपोषण मुहैया कराया जा सकेगा। फाइनेंसिंग विकल्प ग्राहकों को 84 महीने तक की लचीली अवधि चुनने में मदद करेंगे।

ममता दीदी देश में अशांति फैलाने की कोशिश ना करें : प्रेम कुमार

एजेंसी

बिहार। ममता दीदीपश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के बयान पर तीखी प्रतिक्रिया देते हुए बिहार भाजपा के वरीय नेता व बिहार सरकार के सहकारिता सह पर्यावरण,वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री डॉक्टर प्रेम कुमार ने कहा कि ममता दीदी यूपी, बिहार,दिल्ली,असम सहित पूर्वोत्तर को जलाने की धमकी देकर देश में अशांति फैलाने और बिहारी को डराने की कोशिश ना करें। आपका उत्तरदायित्व बनता है की प्रदेश में शांति व्यवस्था,सुशासन लाने की जिम्मेदारी उठाये, क्योंकि आप प्रदेश के मुख्यमंत्री,प्रदेश की गृहमंत्री और प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री भी आप ही हैं।राज्य की घटनाओं पर पूरे देश की जनता जरूर आपसे प्रश्न करेगी। एक डॉक्टर की इस तरह से बलात्कार के बाद निर्मम हत्या और फिर घटना पर लीपा पोती कोई सभ्य समाज कैसे बर्दाश्त करेगा। आज बंगाल की जनता इस घटना से उद्वेलित होकर के आपसे पीड़ित परिवार को इंसाफ दिलाने की मांग करती है तो आप भारत सरकार पर अनाप-शनाप बयान देती रहती हैं। प्रधानमंत्री की कुर्सी हिलाने की धमकी देती है। बंगाल की जनता आपको कुर्सी से उतारने के लिए व्याकुल है।वहां की जनता को न्याय दे नहीं पाते और केंद्र की सरकार को धमकी भरे लफ्जों से डराने का प्रयास करती हैं।

खास खबर

रूट ने 33 वां टेस्ट शतक लगाया

लॉर्ड्स । इंग्लैंड के अनुभवी बल्लेबाज जो रूट ने श्रीलंका के खिलाफ जारी टेस्ट सीरीज के दूसरे मैच में शतक लगाते ही एक अहम रिकार्ड अपने नाम कर लिया है। रूट ने लॉर्ड्स में टेस्ट करियर का अपना 33वां शतक लगाने के साथ ही ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज स्टीव स्मिथ और न्यूजीलैंड के केन विलियम्सन के 32-32 शतकों के रिकॉर्ड को भी पीछे छोड़ दिया है। रूट ने इसके साथ ही अपने ही देश के पूर्व ओपनर एलिस्टर कुक के इंग्लैंड के लिए टेस्ट में सर्वाधिक 33 टेस्ट शतक लगाने के रिकार्ड की भी बराबरी कर ली। अब उनकी नजरें टीम इंडिया के पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर के रिकॉर्ड को तोड़ने की रहेगी। श्रीलंका के खिलाफ 162 गेंदों पर ही अपना शतक लगा दिया। उन्होंने इस दौरान 12 चौके लगाये। रूट ने 145 मैचों में अपने 33 शतक लगाये। इससे पहले गावस्कर, ब्रायन लारा, माहेला जयवर्धने और पाकिस्तान के यूनिस खान ने टेस्ट में 34-34 शतक लगाये हैं। टेस्ट में सर्वाधिक शतक जड़ने का रिकॉर्ड भारत के सचिन तेंदुलकर के नाम है।

देबाशीष मोहंती बने नागालैंड क्रिकेट टीम के कोच

मुम्बई । पूर्व तेज गेंदबाज देबाशीष मोहंती को नागालैंड टीम का नया मुख्य कोच बनाया गया है। नागालैंड क्रिकेट एसोसिएशन के सचिव ह्युनिलो अनिलो खिंग ने कहा कि पिछले दो साल से आरएक्स मुरली कोच थे पर इस बार हम उनकी जगह पर मोहंती को लाये हैं। हम चाहते हैं मोहंती अपने अनुभव से हमारी टीम को बेहतर बनायें। मोहंती ने भारत की ओर से 2 टेस्ट और 45 एकदिवसीय मैच खेले हैं। वह डिशा सहित कई घरेलू टीमों के कोच रहे हैं। मोहंती को जहां मुख्य कोच बनाया गया है। वहीं, गोवा के पूर्व कप्तान स्वप्निल असनोदकर को बल्लेबाजी कोच बनाया गया है। असनोदकर पहले गोवा के अंडर-23 कोच थे। सचिव अनिलो ने कहा कि पिछले कुछ साल में, हमारी टीम ने काफी बेहतर प्रदर्शन किया है और हमें उम्मीद है कि मोहंती के मार्गदर्शन में इसमें और सुधार होगा।

अल्काराज अमेरिकी ओपन से बाहर

न्यूयॉर्क । स्पेन के टेनिस स्टार कार्लोस अल्काराज अमेरिकी ओपन टेनिस में हार के साथ ही बाहर हो गये हैं। विश्व के तीसरे नंबर के खिलाड़ी अल्काराज को अमेरिकी ओपन के दूसरे दौर में नीदरलैंड के खिलाड़ी बोटिक वान डी जैंडस्कूल्प ने 6-1, 7-5, 6-4 से हराया। ये विंबलडन 2021 के बाद से ही अल्काराज की किसी बड़े टूर्नामेंट के दूसरे दौर में पहली हार है। इस स्पेनिश खिलाड़ी ने डच खिलाड़ी के खिलाफ मुकाबले में 27 अप्रत्याशित गलतियाँ कीं। वान डी ने अल्काराज की सर्विस पर अपने पहले ब्रेक अंक का फायदा उठाया, ब्रेक को मजबूत किया और तेजी से 4-1 की बढ़त ले ली। इसके बाद डच खिलाड़ी ने अपना धैर्य बनाए रखा और पहला सेट 6-1 से जीत लिया। अल्काराज ने दूसरे सेट की शुरूआत करने के लिए अपनी सर्विस बरकरार रखी।

राशिद ने लिया टेस्ट क्रिकेट से ब्रेक

मुम्बई । अफगानिस्तान क्रिकेट टीम के अनुभवी स्पिनर राशिद खान ने टेस्ट क्रिकेट से ब्रेक ले लिया है। इस कारण वह न्यूजीलैंड के खिलाफ नोएडा में खेले जाने वाले एकमात्र क्रिकेट टेस्ट मैच में नहीं खेलेंगे। राशिद ने पीठ के दर्द को देखते हुए ये ब्रेक लिया है। अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड (एसीबी) की एक रिपोर्ट के अनुसार ये फैसला टीम प्रबंधन से बातचीत के बाद ही लिया गया है। राशिद गत वर्ष हुए एकदिवसीय विश्वकप के बाद से ही टीम से बाहर हैं। उन्होंने पीठ दर्द के लिए सर्जरी भी कराई थी। उन्हें टी20 विश्वकप के लिए टीम में शामिल किया गया था। । राशिद अब अगले छह महीने या एक साल तक टेस्ट क्रिकेट से दूर रहेंगे। टेस्ट में उनको एक छोर से लगातार गेंदबाजी करनी पड़ती है और उनकी पीठ इस प्रकार के काम के बोझ के लिए तैयार नहीं है।

पेरिस पैरालंपिक : स्टार शूटर अवनि ने जीता स्वर्ण, मोना अग्रवाल को मिला कांस्य पदक

एजेंसी

पेरिस। भारत की स्टार पैरा शूटर अवनि लेखरा ने पेरिस पैरालंपिक 2024 में कमाल कर दिया है। टोक्यो पैरालंपिक में भारत को एक स्वर्ण समेत दो पदक दिलाने वाली अवनि लेखरा ने पेरिस पैरालंपिक में भी स्वर्ण पदक अपने नाम किया है। उन्होंने आर-2 महिलाओं की 10 मीटर एयर राइफल स्टैंडिंग एसएच1 स्पर्धा में भारत को स्वर्ण पदक दिलाया। अवनि के बाद शूटर मोना अग्रवाल ने भी कमाल किया और कांस्य पदक अपने नाम किया है। इन दो पदकों के साथ ही पेरिस पैरालंपिक में भारत का खाता खुल गया है। भारत के नाम एक स्वर्ण और एक कांस्य पदक है। पेरिस पैरालंपिक में शुक्रवार को दूसरे दिन पैरा शूटर अवनि लेखरा ने आर-2 महिलाओं की 10 मीटर एयर राइफल स्टैंडिंग एसएच1 स्पर्धा के फाइनल में 249.7 का स्कोर बनाया और स्वर्ण पदक जीता। अवनि ने टोक्यो पैरालंपिक में 249.6 का स्कोर बनाकर स्वर्ण पदक हासिल किया था। इस बार उन्होंने 249.7 का स्कोर बनाया। इस तरह उन्होंने अपने ही पैरालंपिक रिकॉर्ड को तोड़ दिया। इसी के साथ अवनि पैरालंपिक में दो स्वर्ण पदक जीतने वाली पहली भारतीय महिला एथलीट बन गई हैं। इस स्पर्धा में दूसरे नंबर पर दक्षिण कोरिया की युनरी ली रहीं, जिन्होंने 246.8 का स्कोर बनाया और रजत पदक हासिल किया। वहीं, भारतीय शूटर मोना ने 228.7 का स्कोर बनाकर तीसरा स्थान हासिल किया और कांस्य पदक अपने नाम किया।

ओली के भविष्य में भी कप्तान बनने की उम्मीद

एजेंसी

लंदन । ऑलराउंडर बेन स्टोक्स के चोटिल होने के बाद से ही ओली पोप ने इंग्लैंड क्रिकेट टीम के कप्तान की जिम्मेदारी अच्छी तरह से संभालते हुए अपनी टीम को श्रीलंका के खिलाफ 1-0 से बढ़त दिलायी है। इस सीरीज में जिस प्रकार से ओली ने अपनी नेतृत्व क्षमता दिखायी है। उससे तय है कि वह भविष्य में भी टीम की कप्तानी करेंगे। पोप को पहले टेस्ट के दौरान पूर्व कप्तान जो रूट से मार्गदर्शन लेते देखा गया है। बल्लेबाजी में हालांकि वह अभी तक सफल नहीं हुए हैं और नंबर-3 पर उतरते हुए दो बार छह रन पर आउट हो गए। इसके बावजूद उन्हें लगता है कि वह वापसी करेंगे। जो रूट उन्हें कप्तानी और बल्लेबाजी दोनों के दबाव का सामना करना सिखा रहे हैं। रूट ने 2017-2022 तक

रिकॉर्ड 64 टेस्ट में इंग्लैंड का नेतृत्व किया। इसके अलावा इस बल्लेबाज ने अपने कार्यकाल के दौरान 14 शतक बनाए, जिसे शानदार रिकॉर्ड कहा जा सकता है। इसी को देखते हुए ओली बेहतर बल्लेबाज बनने रूट से सलाह दे रहे हैं। इस क्रिकेटर ने कहा, मैंने इस सप्ताह का भरपूर आनंद लिया। रन मेरे लिए बहुत नहीं आए, लेकिन उम्मीद है कि अगले दो सप्ताह में जब बल्लेबाजी का समय आएगा तो मैं कप्तानी को अलग रख पाऊंगा और अपनी बल्लेबाजी पर ध्यान केंद्रित कर पाऊंगा।

भारत की शीतल ने बनाया नया विश्व रिकार्ड

एजेंसी

पेरिस । भारत की 16 साल की तीरंदाज शीतल देवी ने पेरिस पैरालंपिक में एक नया रिकार्ड बनाया है। शीतल ने तीरंदाजी के क्वालिफिके शन राउंड में 703 अंक हासिल किये। ये इन खेलों में अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। शीतल ने पहले दौर में 59, 59, 58, 56, 59, 57 का स्कोर किया जबकि दूसरे में उन्होंने 60, 57, 60, 59, 60, 59 का स्कोर किया। अब शीतल का लक्ष्य स्वर्ण पदक जीतना रहेगा। शीतल ने महिला व्यक्तिगत कंपाउंड आर्चरी के क्वालीफिकेशन में 720 में से 703 अंक हासिल किये। इसके साथ ही वह 698 अंक के अपने पिछले विश्व रिकॉर्ड से आगे निकल गयी हैं। शीतल ओवरऑल रैंकिंग राउंड में दूसरे स्थान पर रहीं। उन्हें अगले दौर में बाई मिली है और अब वह 31 अगस्त को क्वार्टर फाइनल मुकाबले में उतरेंगी। इस इवेंट में भारत की सरिता ने 682 का स्कोर किया और उसे 9 वां स्थान मिला।

पेरिस पैरालंपिक

भारत ने पेरिस पैरालंपिक में 84 खिलाड़ियों का सबसे बड़ा दल भेजा है। शीतल के अलावा बैडमिंटन में 8 भारतीय खिलाड़ी जीते हैं। निशानेबाज सुहास यथिराज (एसएल4), सुकांत कदम (एसएल4), तरुण (एसएल4), नितेश कुमार (एसएल 3), पलक कोहली (एसएल 4), तुलसीमति मुरुगेसन (एसयू 5), मनीषा रामदास (एसयू 5) और नित्या श्री सुमति सिवान (एसएच 6) ने पहले दौर के अपने-अपने मैच जीत लिए हैं।

तेज गेंदबाज बरिंदर ने लिया संन्यास

एजेंसी

मुम्बई । पिछले आठ साल से भारतीय क्रिकेट टीम से बाहर चल रहे तेज गेंदबाज बरिंदर सरन ने क्रिकेट के सभी फॉर्मेट से संन्यास ले लिया है। बरिंदर ने अपने करियर में 6 एकदिवसीय और 2 टी20 अंतराष्ट्रीय मैच खेले हैं। इस गेंदबाज ने सोशल मीडिया पर अपने संन्यास के फैसले की घोषणा करते हुए कहा कि यह संन्सास लेने का सही समय है। बरिंदर ने साल 2015-16 में पर्थ में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ अंतराष्ट्रीय क्रिकेट में डेब्यू करने के के बाद अंतिम बार साल 2016 में भारत के लिए जिम्बाब्वे दौरे पर दो टी20 अंतराष्ट्रीय

मुकाबले खेले थे। बरिंदर ने लिखा, मैं आधिकारिक तौर पर क्रिकेट से संन्यास ले रहा हूं। मैं अपने क्रिकेट सफर से संतुष्ट हूं। इस खेल ने मुझे काफी अच्छे अनुभव दिए। तेज गेंदबाजी मेरे लिए भाग्यशाली बन गई। इससे मुझे आईपीएल में भी अवसर मिले इसी कारण मुझे भारतीय टीम में भी जगह मिली ह्न साथ ही कहा कि मेरा अंतरराष्ट्रीय करियर छोटा था पर इसकी यादे हमेशा ही मेरे दिल में रहेंगी। मैं हमेशा भगवान का आभारी रहूंगा कि उन्होंने मुझे सही कोच और प्रबंधन दिया जिससे मेरा सफर अच्छा रहा। बरिंदर ने छह वनडे इंटरनेशनल मैचों में सात विकेट जबकि दो टी20 अंतरराष्ट्रीय में छह विकेट लिए हैं। बरिंदर ने आईपीएल में मुंबई इंडियन्स, किंग्स इलेवन पंजाब, राजस्थान रॉयल्स और सनराइजर्स हैदराबाद की ओर से खेला है। साल 2015 से 2019 के बीच इस गेंदबाज ने 24 मैच में 18 विकेट लिए।

डीपीएल लीग : अनुज और सुजल के शतक से ईस्ट दिल्ली जीती

एजेंसी

नई दिल्ली । दिल्ली प्रीमियर लीग (डीपीएल टी20) में युवा विकेटकीपर बल्लेबाज अनुज रावत ने ईस्ट दिल्ली राइडर्स की ओर से 121 रनों की आक्रामक शतकीय पारी खेली है। इस दौरान अनुज ने अपने जोड़ीदार सुजल सिंह 108 के साथ मिलकर 241 रन बनाये। अनुज ने 61 गेंद की अपनी पारी में 11 छक्के और 6 चौके लगाए।

वहीं सुजल सिंह ने 57 गेंद की पारी में 9 छक्के और 7 चौके मारे। इन दोनो ने ही पुरानी दिल्ली 6 के गेंदबाजों को जमकर पीटा। इन दोनो के शतकों से ईस्ट दिल्ली ने पुरानी दिल्ली को 26 रनों से हरा दिया। ईस्ट दिल्ली ने अपनी पारी में रिकॉर्ड 241 रन बनाए। वहीं इसके बाद लक्ष्य का पीछा करते हुए पुरानी दिल्ली 8 विकेट पर 215 रन ही बना पायी। पुरानी दिल्ली की ओर से वंश बेदी ने 96 रन बनाए। अनुज को अपनी आक्रामक पारी का लाभ आईपीएल के दौरान मिल सकता है। उन्हें दिनेश कार्तिक के संन्यास के बाद आरसीबी की टीम विकेटकीपर बल्लेबाज की भूमिका दे सकती है। अनुज किसी भी क्रम पर बल्लेबाजी करने में सक्षम हैं जो उनके लिए एक सकारात्मक पक्ष है।

सीपीएल में ताहिर हैं सबसे उम्रदराज

जमैका। कैरबियाई प्रीमियर लीग (सीपीएल) शुरू हो रही है। इस लीग में सबसे उम्रदराज खिलाड़ी दक्षिण अफ्रीका के इमरान ताहिर जबकि सबसे युवा खिलाड़ी ज्वेल एंड्रयू हैं। 17 साल के बल्लेबाज ज्वेल एंड्रयू नई टीम एंटीगा एंड बरबूडा फाल्कंस की ओर से खेलेंगे। सीपीएल में आने से पहले ज्वेल ने स्कूली स्तर पर लगातार 5 शतक लगाय हैं। इस बल्लेबाज ने अंडर 15 वर्ग में लीवार्ड आइलैंड की कप्तानी की है। ज्वेल प्लेऑफ से पहले डेब्यू करने में कामयाब हो जाते हैं तो वह सीपीएल के इतिहास में सबसे युवा खिलाड़ी बन जाएंगे। अभी निकोलस पूरन के नाम सबसे कम उम्र में डेब्यू का रिकॉर्ड है. पूरन ने 17 साल 300 दिन की उम्र में कैरेबियन प्रीमियर लीग में पदार्पण किया था.

करुण को है भारतीय टीम में वापसी की उम्मीदें

- काऊंटी क्रिकेट से सीखने को मिला

एजेंसी

बेंगलुरु । क्रिकेट करियर की शुरूआत में तिहरा शतक लगाने के बाद भी बल्लेबाज करुण नायर भारतीय टीम में जगह नहीं बना पाये। इसके बाद से ही वह घरेलू क्रिकेट के अलावा काउंटी क्रिकेट में भी समय-समय पर अपने प्रदर्शन से प्रभावित करते रहे हैं। करुण ने विदर्भ और इंग्लिश काउंटी क्रिकेट में नॉर्थम्पटनशर की तरफ से अच्छी पारियां खेली हैं। इससे उन्हें एक बार फिर भारतीय टीम में वापसी की उम्मीदें हैं। वर्तमान में नायर केएससीए महाराजा टी20 में मैसूर वारियर्स खेल रहे हैं। टीम के सेमीफाइनल के लिए

क्वालीफाई करने के बाद उनका लक्ष्य खिताबी जीत के साथ सीजन की इस सकारात्मक शुरूआत को पूरा करना है। उन्होंने अंत में कहा, हमने सेमीफाइनल के लिए क्वालीफाई करके पहला कदम पार कर लिया है, और हमें उम्मीद है कि हम आगे बढ़ेंगे। इस क्रिकेटर ने कहा कि आपको कड़ी मेहनत करने के लिए हमेशा तैयार रहना होगा। इस बल्लेबाज ने कहा कि मैंने पिछले एक साल में सभी प्रारूपों में काफी रन बनाए हैं। मैं हर मौके पर वही करने की कोशिश कर रहा हूं जो मैं पिछले एक साल से करता आ रहा हूं। मैं हर अवसर का उपयोग करता रहा हूं।

करुण ने साल 2023 की शुरूआत में नॉर्थम्पटनशर की ओर से खेलते हुए तीन मैचों में 83 की औसत से 249 रन बनाए हैं। इस दौरान उन्होंने सरे के खिलाफ भी एक शतक लगाया था। इस साल उन्होंने काउंटी क्रिकेट के 7 मैचों में 49 के औसत से 487 रन बनाए हैं। इस बल्लेबाज का कहना है कि भारतीय बल्लेबाजों के लिए इंग्लैंड में जाकर रन बनाना आसान नहीं होता है। साथ ही कहा कि काउंटी क्रिकेट से मुझे काफी कुछ सीखने को मिला है।

धवन लीजेंड्स क्रिकेट लीग में गुजरात से खेलेंगे

एजेंसी

मुम्बई । हाल में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट और आईपीएल से संन्यास लेने वाले सलामी बल्लेबाज शिखर धवन अगले माह होने वाली लीजेंड्स क्रिकेट लीग में गुजरात की ओर से खेलेंगे। इस लीग के लिए गुजरात टीम के पास सलामी बल्लेबाज के तौर पर क्रिस गेल हैं। ऐसे में इस लीग में धवन और गेल का तूफान देखने को मिलेगा।

लीजेंड्स लीग क्रिकेट के तीसरे सीजन के लिए दिल्ली में नीलामी हुई थी। इसमें ब्रेट ली, आरोन फिंच और तिलकरत्ने दिलशान जैसे सितारे भी नहीं बिके थे। प्रशंसकों को उम्मीद थी कि नीलामी के दौरान धवन पर बड़ी बोली लगेगी पर उनका नाम सूची में नहीं आया। तभी पता चला कि गुजरात टीम ने धवन से सीधे करार कर लिया है। गुजरात टीम ने धवन के अलावा लेंडल सिमंस को भी रखा है सिमंस को नीलामी में 37.56 लाख में खरीदा गया है। गुजरात दल - शिखर धवन, क्रिस गेल, लियाम प्लंकेट, मोर्ने वान विक, लेंडल सिमंस, असगर अफगान, जेरोम टेलर, पारस खडका, सीकुगे प्रसन्ना, कमाउ लेवरॉक, साइब्रांड एंगेलब्रेक्ट, मोहम्मद कैफ, एस श्रीसंत।

लीजेंड्स लीग में सबसे महंगे खिलाड़ी के तौर पर इसुरु उदाना बिके हैं। उन्हें अर्बनाइजर्स हैदराबाद ने 61.97 लाख में खरीदा। वहीं चैडविक वाल्टन को भी अर्बनाइजर्स हैदराबाद ने 60.36 लाख में लिया जबकि डैन क्रिश्चियन को मणिपाल टाइगर्स ने 56 लाख में खरीदा है। बता दें कि शिखर धवन के अलावा दिनेश कार्तिक भी इस बार लीजेंड्स लीग क्रिकेट 2024 में खेलते हुए नजर आएंगे। उन्होंने जून में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को अलविदा कहा था। कार्तिक रअ20 के आगामी सीजन में पार्ल रॉयल्स द्वारा साइन किए गए हैं।

भारत की घरेलू प्रणाली से सीखे पीसीबी : बासित

एजेंसी

लाहौर । पूर्व पाकिस्तानी क्रिकेटर बासित अली ने कहा है कि पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) को भारत की घरेलू प्रणाली से सीखना होगा। बांग्लादेश के खिलाफ टीम की करारी हार के बाद उसके क्रिकेट ढ़ांचे पर ही सवाल उठ रहे हैं। इसके बाद से ही पीसीबी प्रमुख ने भी माना है कि टीम को बेहतर बनाने के लिए बदलाव करने होंगे।

इसी को देखते हुए अब बासित ने कहा, टेस्ट सीरीज के बाद चैंपियंस कप नामक एक वन-डे टूनार्मेंट होगा। इस टूनार्मेंट का आयोजन कर पीसीबी इंग्लैंड, ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड की

तर्ज पर कर रहा है जबकि उसे अपने पड़ौसी देश भारत की क्रिकेट प्रणाली को देखकर टूनार्मेंट आयोजित किये जाने चाहिये। जिससे कि उसके पास भी खिलाड़ियों का बड़ा पूल बन सके।

उन्होंने कहा कि दलीप ट्रॉफी जैसे घरेलू टूनार्मेंटों से भारत का क्रिकेट ढ़ांचा मजबूत होता है। इसी से उन्हें नये खिलाड़ी मिलते हैं। पूर्व पाक क्रिकेटर ने कहा, दलीप ट्रॉफी शुरू होने वाली है पर ये टी20 या वन-डे टूनार्मेंट नहीं बल्कि चार दिवसीय टूनार्मेंट है। इसी कारण भारतीय टीम इतनी बेहतर है क्योंकि उन्होंने अपने आधार को मजबूत बनाने पर ध्यान केंद्रित किया, यही वजह है कि वे इतने सफल हैं। वहीं पहले टेस्ट में स्पिनर नहीं रखने की गलती से सबक लेते हुए पाक ने दूसरे टेस्ट के लिए कलाई के स्पिनर अबरार अहमद और ऑलराउंडर आमिर जमाल को टीम में वापस लाया है। पाक दूसरे टेस्ट में जीत के साथ ही सीरीज में वापसी करना चाहेगी।

विश्व कप के बाद टी20 कप्तानी छोड़ देंगी सोफी डिवाइन

एजेंसी

वेलिंगटन। सोफी डिवाइन अक्टूबर में होने वाले महिला टी20 विश्व कप के बाद न्यूजीलैंड की टी20 अंतरराष्ट्रीय कप्तान के पद से हट जाएंगी। 34 वर्षीय डिवाइन अभी भी वनडे टीम की कप्तान बनी रहेंगी।

डिवाइन ने 2014-15 सीजन में स्टैंड-इन कप्तान के रूप में और फिर 2020 में एमी सैटरथवेट से पूर्णकालिक भूमिका निभाते हुए 56 टी20 में न्यूजीलैंड का नेतृत्व किया है, जिसमें टीम ने 25 में जीत दर्ज की है और 28 में टीम को हार का सामना करना पड़ा है, जबकि 1 मैच टाई रहा है।

डिवाइन, जो 2006 में अपने पदार्पण के बाद से 135 मैचों में 3268 रन के साथ प्रारूप में न्यूजीलैंड की सर्वकालिक दूसरी सबसे बड़ी स्कोरर हैं, ने कहा कि कार्यभार संतुलन की उनकी इच्छा ने यह निर्णय लिया।

डिवाइन ने न्यूजीलैंड क्रिकेट बोर्ड (एनजेडसी) के हवाले से कहा, ₹मुझे दोनों प्रारूपों में व्हाइट फर्न्स की कप्तानी करने का सौभाग्य मिलने पर बहुत गर्व है। कप्तानी के साथ एक अतिरिक्त कार्यभार भी आता है, जिसे उठाने में मुझे मजा आता है, लेकिन कई बार यह चुनौतीपूर्ण भी हो सकता है। टी-20 कप्तानी से हटने से मेरी जिम्मेदारी कुछ कम हो जाएगी, जिससे मैं अपनी ऊर्जा का अधिक उपयोग अपनी खेल भूमिका पर तथा भविष्य के नेतृत्वकताओं को तैयार करने पर कर सकूंगी।₹

टी20 विश्व कप से पहले पैर की चोट से उबरने के लिए फिलहाल आराम कर रही डिवाइन ने अभी वनडे कप्तानी नहीं छोड़ने और न्यूजीलैंड के लिए दोनों सफेद गेंद प्रारूपों में खेलना जारी रखने की अपनी इच्छा पर जोर दिया।

उन्होंने कहा, मैं अभी वनडे कप्तानी छोड़ने के लिए तैयार नहीं हूं। लेकिन मैं हमेशा के लिए नहीं रहूंगी, इसलिए मुझे लगता है कि एक समय में एक प्रारूप की कप्तानी से दूर रहने से अगले कप्तान को अपने पैर जमाने का समय मिल जाएगा।

न्यूजीलैंड क्रिकेट ने अभी तक उनके उत्तराधिकारी का नाम नहीं बताया है।

न्यूजीलैंड के मुख्य कोच बेन सॉयर ने कहा, ₹सोफ एक निडर कप्तान की प्रतिमूर्ति हैं और हम मैदान पर और मैदान के बाहर उनके नेतृत्व के लिए वास्तव में आभारी हैं। वह अब तक की सबसे अनुभवी व्हाइट फर्न्स में से एक हैं और उनका नेतृत्व और खेल का ज्ञान बहुत मूल्यवान रहा है क्योंकि हमने पिछले दो वर्षों में टीम में कई युवा खिलाड़ियों को शामिल किया है। मुझे पता है कि सोफ के लिए यह निर्णय आसान नहीं था, लेकिन मैं इसका पूरा समर्थन करता हूं और जानता हूं कि वह अभी भी समूह में एक प्रमुख लीडर बनने जा रही हैं।₹

न्यूजीलैंड को विश्व कप के लिए 15 सदस्यीय टीम की घोषणा 10 सितंबर को करनी है, इससे पहले कि टीम तैयारी के लिए ऑस्ट्रेलिया के तीन मैचों के टी20 दौरे के लिए रवाना हो।

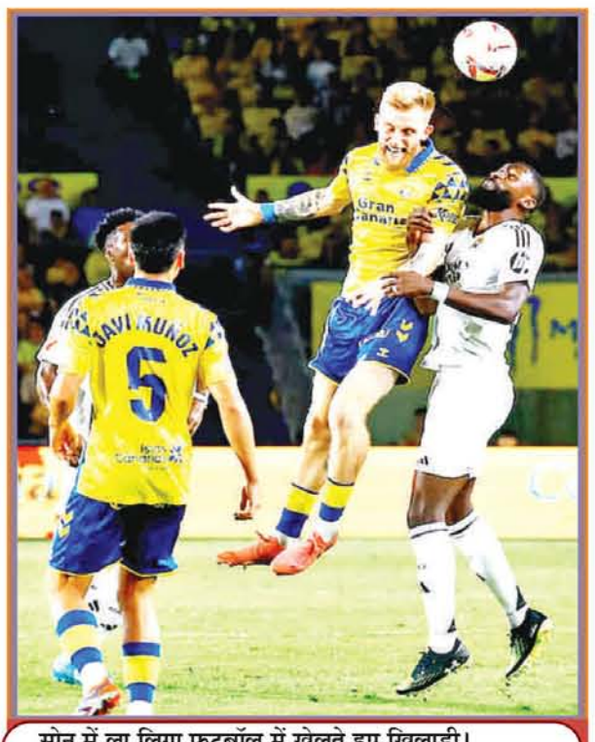

स्पेन में ला लिगा फुटबॉल में खेलते हुए खिलाड़ी।

जागरुकता

पर्यटन उद्योग को ऑटिज्म पीड़ित बच्चों के परिजनों के प्रति संवेदनशील होने की जरूरत

परिवार के साथ छुट्टियों पर जाना हमेशा मन को सुकून देने वाला अनुभव साबित नहीं होता। यातायात जाम से लेकर हवाई अड्डों पर लगने वाली लंबी कतारें और तनाव छुट्टियों का मजा किरकिरा कर सकते हैं। बावजूद इसके, हममें से ज्यादातर लोग माहौल बदलने और रोजमर्रा की दिनचर्या से ब्रेक लेने के लिए छुट्टियों पर जाने को बेकरार रहते हैं। हालांकि, ऑटिज्म से पीड़ित बच्चों के लिए माहौल और दिनचर्या में आए बदलावों के हिसाब से ढलना बेहद मुश्किल साबित हो सकता है। और हमारे अनुसंधान से संकेत मिलते हैं कि इससे परिवार के साथ बिताई जाने वाली छुट्टियां उनके लिए बेहद भयानक अनुभव साबित हो सकती हैं।

हमने कुछ ब्रिटिश अभिभावकों से बात की, जिन्होंने कहा कि ऑटिज्म से पीड़ित बच्चों को छुट्टियों पर ले जाना इतना चुनौतीपूर्ण है कि वे सिर्फ छोटी-छोटी यात्राओं की योजना बनाते हैं। इनमें से 35 फीसदी माता-पिता के मुताबिक, वे ज्यादा से ज्यादा एक से दो रात घर से बाहर रहना पसंद करते हैं।

ज्यादातर अभिभावक छुट्टियों के मौसम या ऐसी अन्य परिस्थितियों में यात्रा करने से बचते हैं, जिनमें उनके बच्चे को ज्यादा असुविधाजनक महसूस हो सकता है। 80 फीसदी से ज्यादा माता-पिता ने बताया कि वे विदेश जाने के बजाय हमेश ब्रिटेन की किसी जगह को ही छुट्टियों के लिए चुनते हैं। कुछ अभिभावकों ने कहा कि रात में बाहर ठहरने से बचने के लिए सिर्फ दिनभर की छुट्टी की योजना बनाते हैं।

कई माता-पिता ने हमें बताया कि ऑटिज्म से पीड़ित बच्चे का होना यह निर्धारित करने में अहम भूमिका निभाता है कि वे कब, कहां और किस तरह की छुट्टियां मनाएंगे। एक अभिभावक ने कहा, जब मैं अपने बेटे को बाहर घुमा-फिराकर लौटती हूं, तब मुझे खुद छुट्टियों पर जाने की जरूरत महसूस होने लगती है। एक अन्य अभिभावक ने कहा कि उनकी हालिया छुट्टियों का अनुभव इतना खराब था कि उन्होंने अपनी अगली यात्रा रद्द कर दी और भविष्य में कभी भी बाहर न जाने का फैसला किया।

छुट्टियां मनाने आए अन्य लोगों की प्रतिक्रियाएं -हमारे अनुसंधान में कई ऐसी वजहें सामने आईं, जिससे ऑटिज्म के शिकार बच्चों के माता-पिता उन्हें छुट्टियों पर ले जाने में हिचकिचाते हैं। हमें यह जानकर आश्चर्य हुआ कि अपने बच्चों के बर्ताव के प्रति छुट्टियां मनाने आए अन्य लोगों की प्रतिक्रियाएं इस हिचक का सबसे बड़ा कारण थीं।

ऑटिज्म से जूझ रहे बच्चे उस समय बेचैन हो उठते हैं, जब उन्हें नई और असमान्य स्थितियों का सामना करना पड़ता है, जो छुट्टियों के दौरान बहुत सामान्य है। और जब ऐसे बच्चों की बेचैनी बढ़ जाती है, तब वे परेशान दिखने लगते हैं और उत्तेजक व्यवहार करने लगते हैं, जैसे कि सीट पर हिलना-डुलना, ताली बजाना, खिलौने पटकना या दौड़ना-भागना।

हमारे अनुसंधान में ऑटिज्म से पीड़ित 295 बच्चों के परिजन शामिल हुए। इनमें से कुछ अभिभावकों ने कहा कि उनके बच्चों द्वारा बेचैनी में किया गया बर्ताव अन्य यात्रियों को अच्छा नहीं लगता। यही नहीं, इन अभिभावकों को लगता है कि उन्हें ऐसे माता-पिता के रूप में देखा जाएगा, जिनका खुद के बच्चों पर कोई नियंत्रण नहीं।

अनुसंधान में शामिल लगभग आधे अभिभावकों ने कहा कि ऑटिज्म से पीड़ित बच्चे के साथ यात्रा करने के दौरान अन्य यात्रियों से संवाद करना मुश्किल होता है। इनमें कई अभिभावकों ने अन्य यात्रियों में अपने बच्चों की हालत के प्रति संवेदनशीलता का अभाव होने की शिकायत की। उन्होंने बताया कि कुछ यात्री उनके बच्चे को घूरते हैं, जबकि कुछ उन्हें डांटने से भी नहीं चूकते।

रोमांचक गतिविधियों से दूर रहना पसंद

-अनुसंधान में शामिल अभिभावकों ने कहा कि ऑटिज्म के शिकार बच्चों के साथ किसी कार्यक्रम या रोमांचक गतिविधियों के लिए जाना छुट्टियों का सबसे तनावपूर्ण हिस्सा होता है। इनमें से कई माता-पिता ने माना कि वे इन गतिविधियों में हिस्सा न लेना और उस जगह के आसपास ही रहना बेहतर समझते हैं, जहां वे ठहरे हुए हैं।

लेकिन इससे यह भी सवाल उठता है कि छुट्टियों पर ऐसे बच्चों के भाई-बहनों को बोर होने से कैसे बचाया जाए और उनका मनोरंजन कैसे किया जाए। ऑटिज्म से पीड़ित कुछ बच्चे तेज आवाज, चमकीली लाइट और तीव्र गंध के प्रति संवेदनशील हो सकते हैं, जबकि उनके भाई-बहन को ऐसी जगहें आकर्षित कर सकती हैं।

एक मां ने कहा, छुट्टियां पूरे परिवार के लिए होती हैं, लेकिन मेरा पूरा समय ऑटिज्म से जूझ रही मेरी बेटी को शांत करने और उसकी जरूरतें पूरी करने में बीत जाता है। मेरे छोटे बच्चे और परिवार के सदस्यों को छुट्टियों का वैसा अनुभव नहीं मिल पाता, जिसके वे हकदार हैं।

अभिभावकों ने कहा कि चलने-फिरने में दिक्कतों का सामना करने वाले लोगों की मुश्किलें हल करने के लिए पर्यटन उद्योग ने बहुत कुछ किया है, लेकिन ऑटिज्म से पीड़ित दिव्यांग बच्चों के वास्ते उसकी तरफ से खास पहल किए जाने की जरूरत हैं। इनमें हवाई अड्डों पर शांत जगहें बनाना, विमान में शोर बाधित करने वाले हेडफोन उपलब्ध कराना, पार्क में जल्दी प्रवेश की व्यवस्था करना और होटल में भारी कंबल व आंखों पर बांधी जाने वाली काली पट्टी उपलब्ध कराना शामिल है।

(द कन्वरसेशन)

जागरुकता

बदलते मौसम में बच्चों को निमोनिया का खतरा

बदलते मौसम में बच्चों को सर्दी-जुकाम, बुखार व निमोनिया आदि बीमारियां हो जाती है। बता दें कि यह एक संक्रामक रोग है। इसका इलाज घरेलू उपायों से नहीं किया जा सकता है। लेकिन संक्रमण से बच्चे को बचाने के लिए आप घरेलू उपायों को अपना सकती हैं। इन उपायों को करने से बच्चा निमोनिया व अन्य बीमारियों से बचा रहेगा। सर्दी के मौसम में वायरस और बैक्टीरिया के कारण बच्चों को निमोनिया हो जाती है। आइए जानते हैं कि आप किस तरह से अपने बच्चों का संक्रमण से बचाव कर सकते हैं।

क्यों होता है निमोनिया

बता दें कि निमोनिया फेफड़ों का संक्रमण होता है। यह वायुमार्ग को बाधित करता है, जिससे फेफड़ों में मौजूद वायु थैलियों में तरल भर जाता है और सूजन आ जाती है। इस बीमारी में व्यक्ति को बलगम, कफ, खांसी और बुखार आदि की समस्या होती है। अधिकतर यह समस्या कमजोर इम्युनिटी वाले लोगों को होती है।

लक्षण

खांसी आना
बलगम होना
बुखार होना (कंपकंपी आना)
सांस लेने में परेशानी होना
खांसते समय सीने व गले में दर्द होना

सावधानी

आमतौर पर मौसम के बदलते ही बच्चों को निमोनिया आदि की समस्या हो जाती है। लापरवाही बरतने के कारण बच्चे निमोनिया व अन्य संक्रामक रोगों की चपेट में आ जाते हैं। लेकिन कुछ घरेलू उपायों को करने से बच्चे को इन रोगों से सुरक्षित रखा जा सकता है।

हल्दी का सेवन

हल्दी में मौजूद एंटीबैक्टीरियल गुण बच्चों को सर्दियों में वायरस से सुरक्षित रखती है। अगर बच्चा बड़ा है तो आप उसे हल्दी वाला दूध भी दे सकती हैं। वहीं अगर बच्चा छोटा है तो आप हल्दी को पानी में गर्म करके बच्चे के सीने पर मालिश करते हुए लगाएं। इससे बच्चे का संक्रामक रोगों से बचाव होगा।

लौंग का पानी

अगर आपके बच्चे की उम्र 10 साल से अधिक है, तो आप उसें लौंग का पानी दे सकती हैं। सबसे पहले पानी में 2-3 लौंग और काली मिर्च डालकर अच्छे से उबाल लें। फिर आधा कप हल्का गुनगुना पानी बच्चे को पीने के लिए दें। इसके अलावा आप बच्चे की छाती पर लौंग के तेल से मालिश भी कर सकती हैं। इससे बच्चा निमोनिया से सुरक्षित रहेगा।

तुलसी का काढ़ा

तुलसी में कई औषधीय गुण पाए जाते हैं। निमोनिया के खतरे से बच्चे को सुरक्षित रखने के लिए तुलसी के पत्तों के रस के साथ काली मिर्च मिला दें। इस रस को बच्चे को पीने के लिए दें। तुलसी में मौजूद एंटीइंफ्लेमेट्री गुण बच्चे को वायरल रोगों से बचाते हैं।

लहसुन भी लाभकारी

कफ की समस्या को दूर करने के लिए लहसुन का उपयोग किया जाता है। इसके लिए लहसुन की कुछ कलियों का पेस्ट बना लें। फिर रात में सोने से पहले इस पेस्ट को बच्चे के सीने पर लगाएं। इस पेस्ट को लगाने से बच्चे को गर्माहट मिलती है और कफ बाहर आने लगता है।

पते की बात

संकल्प और अनुशासन जरूरी

यदि नए अवसर पाना चाहते हैं तो जो किया जा सकता है उस पर ध्यान देना होगा, जो नहीं किया जा सकता उसकी चिंता छोड़नी होगी। अपना समय और ऊर्जा अनावश्यक चीजों पर, दूसरों को दोषी ठहराने में, बदला लेने या पुरानी गलतियों पर रोने में नष्ट नहीं करना है। कोई बदलाव सिर्फ आकलन से नहीं आ सकता। वह कर्म से आता है और कर्म संकल्प एवं अनुशासन खोजता है।

महत्वपूर्ण कामों से मिलती है सफलता

हमारी दिनचर्या इस तरह की होती है कि हमारे सामने जो काम आता है, हम उसे करने लगते हैं। एक महत्वाकांक्षी व्यक्ति को इस बारे में सतर्क रहना चाहिए क्योंकि सफलता पाने के लिए बहुत आवश्यक है कि सबसे महत्वपूर्ण काम पहले किए जाएं। सफलता हमेशा महत्वपूर्ण कामों से मिलती है। इसलिए अपनी प्राथमिकताएं स्पष्ट करें। अपना समय महत्वहीन कामों में न गंवाएं।

विचारों से तुरंत प्रभावित न हों

अधिकांश लोग दूसरों की राय से प्रभावित होते हैं। वो अपने लिए सोचने का काम नहीं कर पाते। दूसरों की सलाह पर ध्यान देते हैं। यदि आप दूसरों के विचारों से प्रभावित हैं, तो आपकी खुद की कोई इच्छा नहीं होगी। यदि आपका अपना मस्तिष्क और मन है, तो इसका प्रयोग करें। स्वयं निर्णय लें। दुनिया को बताएं कि आपका क्या करने का इरादा है। सलाह देने वाले लोगों से दूर रहें।

असफलता ही सफल बनाएगी

सफल लोग असफलता का स्वागत करते हैं। असफल होने पर रोते नहीं हैं। निराश नहीं होते। असफलता के कारणों का गंभीरता से अध्ययन करते हैं। उसका समाधान कर आगे बढ़ते हैं। असफलता को सफलता की सीढ़ी बनाकर आगे चलते जाते हैं। सफलता की राह में असफलता रूपी स्टॉप आते रहते हैं। लेकिन एक दिन असफलता ही आपको सफल बनाती है।

परवरिश

मॉडर्न पैरेंटिंग से बच्चों के संपूर्ण विकास पर असर

आधुनिक समय में पैरेंट्स के ऊपर काफी प्रेशर बढ़ गया है जो खुद मां-बाप के साथ-साथ बच्चे के लिए भी सही नहीं है। यूनिवर्सिटी ऑफ एसेक्स द्वारा की गई एक नई स्टडी के अनुसार पैरेंट्स द्वारा बच्चों को लगातार मॉनिटर करने से बच्चों को खेल को एंजॉय करने के अवसर कम मिल पाते हैं। इससे बच्चे के संपूर्ण विकास और वृद्धि पर असर पड़ता है।

मां अक्सर अपने बच्चे को अकेले बाहर खेलने की इजाजत नहीं देती हैं और जब बच्चा अपने दोस्तों के साथ खेल रहा होता है, तो उस पर लगातार नजर रखती हैं। आज के आधुनिक समय में पैरेंट्स के ऊपर काफी प्रेशर बढ़ गया है जो खुद मां-बाप के साथ-साथ बच्चे के लिए भी सही नहीं है।

यूनिवर्सिटी ऑफ एसेक्स द्वारा की गई एक नई स्टडी के अनुसार पैरेंट्स द्वारा बच्चों को लगातार मॉनिटर करने से बच्चों को खेल को एंजॉय करने के अवसर कम मिल पाते हैं। इससे बच्चे के संपूर्ण विकास और वृद्धि पर असर पड़ता है।

मॉडर्न पैरेंट्स से उम्मीदें

1990 के आसपास पैरेंट्स से अपने बच्चे को एंटरटेन करने और आज की तरह उस पर नजर रखने की उम्मीद नहीं की जाती थी। तब बच्चों के पास अपनी मर्जी से खेलने के की ज्यादा आजादी हुआ करती थी। लेकिन जब वो बच्चे खुद पैरेंट्स बने तो सोसायटी में काफी कुछ बदल गया। इन पैरेंट्स पर अपने बच्चों की डेवलपमेंट की जिम्मेदारी का एहसास काफी बढ़ गया है।

खेल के लिए कम समय

1990 में पैरेंट्स बनने वाले लोगों पर अपने बच्चे को सेहतमंद रखने के लिए एक्टिव बनाने का प्रेशर महसूस होता था। हालांकि, इस बीच बच्चों के खेलने के समय पर असर पड़ा। वहीं अजनबियों से होने वाले खतरे और सड़कों पर बढ़ते हुए ट्रैफिक की वजह से भी आज के पैरेंट्स की परेशानियां बढ़ गई हैं। अब बच्चों को घर से बाहर निकलने की इजाजत बहुत कम ही मिलती है। स्टडी में सामने आया है कि पैरेंट्स से यह अपेक्षा की जाती है कि वो अपने बच्चे की इच्छाओं और व्यवहार को देखने, उसे नोटिस करने और उस पर प्रतिक्रिया देने में ज्यादा समय बिताएं।

बच्चों में आत्मनिर्भरता की कमी

लगातार नजर रखने की वजह से बच्चों को खुद अपने आप से खेलने का समय कम मिल पाता है और उन्हें आउटडोर खेलने के फायदे भी कम मिल पा रहे हैं। आजकल के बच्चे घर पर बैठकर ही फोन या टीवी का इस्तेमाल करते हैं जिससे उनकी सेहत भी खराब हो रही है और वो खुद से ज्यादा अपने पैरेंट्स पर निर्भर होते जा रहे हैं।

क्या करें

पैरेंट्स को बच्चों के साथ ज्यादा समय बिताना चाहिए लेकिन इसके साथ ही उन्हें इस बात का भी ध्यान रखना चाहिए कि उनके बच्चे आत्मनिर्भर बन रहे हैं या नहीं। जब बच्चे खुद अपने विकल्प चुनने लगेंगे और उन्हें जोखिम उठाना आएगा, तब वो असल मायनों में आत्मनिर्भर बनेंगे और पैरेंट्स को भी यही कोशिश करनी चाहिए कि उनके बच्चे घर से बाहर भी खेलने जाएं।

दिमाग लगाओ

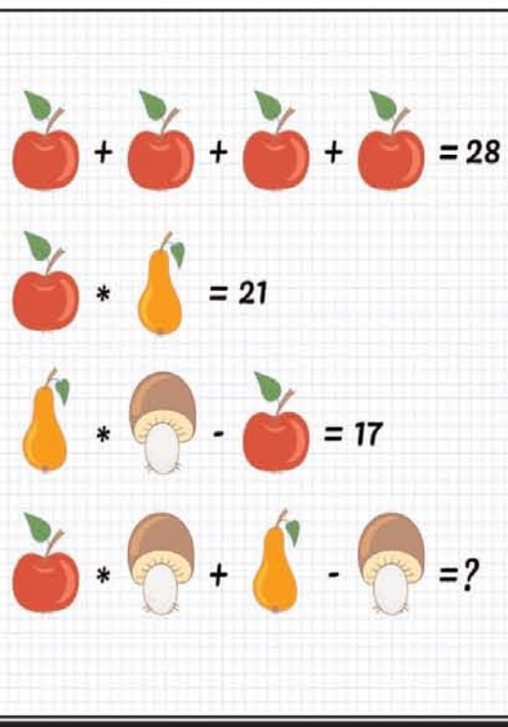

रंग भरो

शब्द बनाओ

P	T	N	S	G	V	F	W	W	E	L	H	O	W	K	L	O	
O	I	J	N	D	K	U	C	Y	O	D	T	N	W	T	N	R	
Q	R	L	S	R	J	N	O	G	L	W	E	A	M	M	T	V	
Z	O	A	P	T	V	H	E	L	M	E	T	J	U	A	L	F	
E	P	Q	W	F	S	A	P	O	R	E	D	J	E	G	Q	A	
X	V	V	X	K	A	X	W	O	R	N	H	H	C	H	W	W	
W	C	B	W	P	F	E	K	J	I	M	W	V	T	V	S	V	
B	Z	S	R	N	E	E	H	X	A	S	R	Z	Q	L	Y	R	
E	F	Q	H	Y	D	R	A	T	E	T	O	Z	V	R	S	X	
A	B	X	Z	P	Y	P	P	O	O	L	I	N	Q	K	M	A	
C	L	I	B	Q	R	D	B	E	B	U	G	B	I	T	E	S	
H	D	U	O	O	E	M	W	L	D	F	S	M	K	V	D	Q	
V	D	K	T	L	H	R	G	K	A	A	D	T	C	H	Y	R	
F	A	E	P	U	E	S	V	B	Y	T	H	M	V	S	A	Q	
S	C	I	Z	S	U	N	B	L	O	C	K	S	M	P	E	F	
T	E	M	T	H	I	N	B	S	M	U	E	I	R	Z	A	U	
N	L	L	P	S	U	N	B	U	R	N	O	A	M	K	E	G	

beach, fun, pool, protect
safe, bug bites, helmet, sunblock
heat, poison ivy, shade, sunburn
hydrate, water

रास्ता ढूंढ़ो

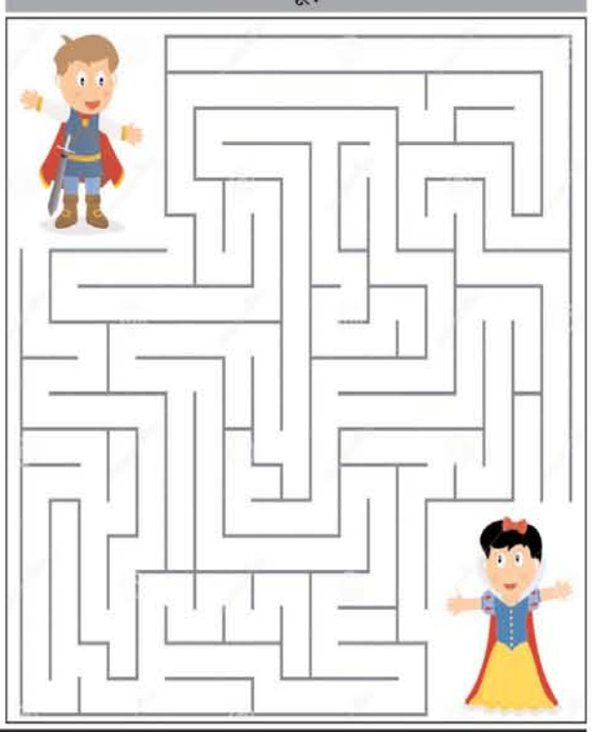

करण जौहर की वेब सीरीज कॉल मी बे से अभिनय क्षेत्र में कदम रखेगी लिसा मिश्रा

बहु-प्रतिभाशाली गायिका और अब जल्द ही एक अभिनेत्री बनने वाली लिसा मिश्रा, धर्मा प्रोडक्शंस द्वारा उनकी शाखा धर्माटिक एंटरटेनमेंट के तहत निर्मित आगामी वेब सिरीज़ कॉल मी बे में अपने अभिनय करियर की शुरुआत करने के लिए तैयार हैं, जिसका प्रीमियर अमेज़ॅन प्राइम पर होगा। अपनी दमदार आवाज़ और भावपूर्ण प्रस्तुतियों के लिए जानी जाने वाली लिसा का अभिनय की दुनिया में आना एक लंबे समय से प्रतीक्षित यात्रा रही है। कॉल मी बे के साथ अभिनय में लिसा का प्रवेश उनके करियर में एक महत्वपूर्ण मोड़ है, जो संगीत उद्योग से परे उनकी बहुमुखी प्रतिभा को दर्शाता है। इस अवसर के लिए आभारी होकर, उन्होंने एक अभिनेत्री के रूप में उनकी क्षमता पर विश्वास करने के लिए धर्मा प्रोडक्शंस और उनके अटूट समर्थन के लिए अपने गुरुओं को हार्दिक धन्यवाद दिया।

अपनी कास्टिंग पर विचार करते हुए, लिसा ने साझा किया, जब मेरा ऑडिशन आया तो निर्देशन टीम के लिए यह आश्चर्य की बात थी क्योंकि वे मुझे पहले केवल एक गायिका के रूप में जानते थे। लेकिन अभिनय हमेशा से एक सपना रहा है, और इस कला पर मैं वर्षों से चुपचाप काम कर रही थी। यहां तक पहुंचने और इसे तोड़ने में मुझे बहुत समय लगा। बेशक गायन मेरा पहला प्यार है, लेकिन मैं अभिनय की इस लालसा को मिटाना चाहती थी काफी धैर्य के बाद आखिरकार यह समय आ गया है। उनके डेब्यू को लेकर उत्साह निश्चित रूप से देखने लायक है, क्योंकि लिसा ने हाल ही में सोशल मीडिया पर इस उपलब्धि के बारे में अपनी भावनाएं भी व्यक्त कीं। उन्होंने लिखा, मैं अपनी पहली सीरीज़ आप सभी को दिखाने के लिए और इंतजार नहीं कर सकती। कॉल मी बे एक सपना सच होने जैसा था, और इस तरह का कार्यक्रम पेश करना, वह भी धर्मा और अमेज़ॅन प्राइम के साथ लॉन्च करना, मेरे लिए भी वास्तव में अविश्वसनीय है। मैं 2018 से पंचमी घावरी के साथ ऑडिशन दे रही हूं, इस पल के इंतज़ार में वर्षों से अपनी भाषा कौशल और स्क्रीन उपस्थिति को निखार रही हूं। इस यात्रा ने मुझे सिखाया की सब्र रखो और डटे रहो-जो होना है वह रातोरात नहीं होगा। आशा है कि मैंने अपने गुरुओं को गौरवान्वित किया है और आप मेरे पहले अभिनय प्रदर्शन का आनंद लेंगे।

द डायरी ऑफ वेस्ट बंगाल की तैयारी के लिए अर्शिन मेहता ने की कड़ी मेहनत

फिल्म द डायरी ऑफ वेस्ट बंगाल में मुख्य भूमिका निभाने वाली अभिनेत्री अर्शिन मेहता ने सुहासिनी भट्टाचार्य की भूमिका के लिए की गई तैयारी के बारे में खुलकर बात की। अर्शिन इसमें बांग्लादेश की एक हिंदू ब्राह्मण लड़की का किरदार निभा रही हैं, जो अपने देश में हिंदुओं के खिलाफ हो रहे अत्याचारों को देखने के बाद भारत के पश्चिम बंगाल में शरण लेती है। अपने किरदार को लेकर अभिनेत्री ने कई व्यक्तिगत चुनौतियों का सामना किया। बजरंगी भाईजान से अपने करियर की शुरुआत करने वाली अर्शिन ने इस बारे में बताया, मैं किरदार में रहना चाहती थी, इसलिए मैंने सुहासिनी की भूमिका को अपनाया, जो एक शरणार्थी है, जिसके पास विलासिता की चीजों की पहुंच नहीं है। मैंने कुर्सियों पर बैठने से परहेज किया और जमीन पर बैठना पसंद किया, किसी से ज्यादा बात न करके अपने किरदार की मानसिकता में रहना पसंद किया। सुहासिनी ने इतने सारे अनुभव किए थे कि वह हमेशा अपने दायरे में रहती थी, और मैंने भी उसी दायरे में रहने की कोशिश की। उन्होंने कहा, मैंने हमेशा अपने दायरे में रहना सुनिश्चित किया। मैं लगातार संगीत सुनती, किसी से बात करने से बचती और शूटिंग खत्म होने के बाद भी चुपचाप घर चली जाती और किरदार की मानसिकता में रहती। सुहासिनी के किरदार को ईमानदारी और प्रामाणिकता के साथ निभाने के लिए मेरे लिए उस दायरे में रहना महत्वपूर्ण था, ताकि लोग उससे सही मायने में जुड़ सकें। अर्शिन की भूमिका उनकी आवाज को बुलंद करती है क्योंकि वह मानवाधिकार परिषद, भारत सरकार और विभिन्न मंत्रालयों को इस तथ्य के प्रति सचेत करने का प्रयास करती है कि भारत में हिंदू भी सुरक्षित नहीं हैं। उन्होंने कहा, वहां पहुंचने पर उन्हें यह जानकर झटका लगा कि बंगाल में हिंदुओं की स्थिति बांग्लादेश जितनी ही खराब है। यह अहसास उनके लिए बहुत बड़ा है, खासकर तब जब उन्हें हिंदू बहुल देश में सुरक्षित रहने की उम्मीद थी। मैं राजकपूर हो गया फेम अभिनेत्री ने आगे कहा, यह फिल्म सुहासिनी की यात्रा को दर्शाती है, जिसमें वह लव जिहाद का शिकार बनने के साथ कई बाधाओं से जूझती है। एक मुस्लिम व्यक्ति उसे शरण देता है, लेकिन यह नहीं बताता कि उसने उसकी जान बख्श दी है, जबकि उसके दोस्तों ने अन्य शरणार्थियों को मार डाला है। सुहासिनी की जीवन यात्रा और न्याय के लिए उसकी लड़ाई फिल्म के केंद्र में है। अर्शिन ने खुलासा किया कि सुहासिनी ने जिस तरह का गहरा आघात सहा, उसके कारण उसका किरदार बेहद गंभीर था। अभिनेत्री ने आगे कहा, उसने अपने परिवार को मरते हुए देखा, जिससे वह गहरे सदमे में चली गई और सामान्य जीवन जीने में असमर्थ हो गई। पूरी फिल्म में कई गंभीर दृश्य थे और भूमिका के साथ न्याय करने के लिए मैं संगीत सुनती रही, जिससे मुझे किरदार में बने रहने और दृश्यों के लिए आवश्यक भावनाओं को बढ़ाने में मदद मिली। यह फिल्म 30 अगस्त को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है।

इंडस्ट्री में खेमेबाज़ी हो रही है, केवल खानदान के लोगों का साथ दिया जाता है

अभिनेत्री और बीजेपी सांसद कंगना रणौत अपनी नई फिल्म इमरजेंसी का जमकर प्रचार कर रही है। फिल्म के रिलीज होने में अब चंद ही दिन बचे हैं। ऐसे में इसके प्रमोशन के लिए वो लगातार साक्षात्कार दे रही हैं और अपनी फिल्म और अपने करियर के साथ-साथ फिल्म इंडस्ट्री पर भी अपनी बात रख रही है। हाल ही में, उन्होंने एक बार फिर से बॉलीवुड को निशाने पर लिया है। कंगना रणौत ने बॉलीवुड को निराशाजनक जगह बताते हुए कहा कि इस जगह का कुछ नहीं होने वाला है। उन्होंने कहा कि इंडस्ट्री के लोग प्रतिभाशाली लोगों से चिढ़ते हैं। उन्हें बदनाम करने के लिए अभियान चलाया जाता है। कंगना रणौत ने कहा कि इंडस्ट्री के कुछ अंदरूनी लोग प्रतिभाशाली लोगों के करियर को तबाह कर देते हैं। वे उनका खात्मा करने के लिए पीछे पड़ जाते हैं और टैलेंट से जलते हैं। कंगना ने यह भी कहा कि ऐसे लोग इस काम को गुपचुप तरीके से नहीं, बल्कि खुले अपने बारे में बात करते हुए कंगना ने कहा कि बहुत कम लोग ऐसे हैं, जिन्हें उनसे कोई दिक्कत है। उन्होंने कहा कि जो लोग उनके साथ जुड़े हैं, वे उन्हें प्यार करते हैं। कंगना ने कहा कि आज इंडस्ट्री में नई पीढ़ी के फिल्म निर्माता खेमेबाजी कर रहे हैं। पहले ऐसा नहीं हुआ करता था। उन्होंने के आसिफ, गुरु दत्त, बिमल रॉय और यश चोपड़ा का उदाहरण देते हुए कहा कि वे सभी विनम्रता से पेश आते थे और अलग ही किस्म के लोग थे, जबकि आज ऐसा नहीं है। इमरजेंसी का निर्देशन कंगना रणौत ने किया है और वही इसमें मुख्य भूमिका भी निभा रही है। यह फिल्म आपातकाल की पृष्ठभूमि पर आधारित है, जिसमें कंगना रणौत पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के रोल में दिखेंगी। फिल्म में दिवंगत सतीश कौशिक, श्रेयस तलपड़े, मिलिंद सोमन, महिमा चौधरी और अनुपम खेर समेत कई कलाकारों ने अभिनय किया है। इसे 6 सितंबर, 2024 को रिलीज किया जाएगा।

द लॉर्ड ऑफ द रिंग्स के प्रीक्वल का हिस्सा होंगे ऋतिक रोशन?

द लॉर्ड ऑफ द रिंग्स- द रिंग्स ऑफ पावर सीजन 2 को लेकर काफी चर्चा हो रही है। इसी बीच जिस बात ने प्रशंसकों को आश्चर्यचकित कर दिया वह है बॉलीवुड सुपरस्टार ऋतिक रोशन के इसमें शामिल होने की संभावना। जी हां, हाल ही में शोरनर जे. डी. पायने ने एक इंटरव्यू में बॉलीवुड अभिनेता ऋतिक रोशन के भविष्य के सीजन में कलाकारों की सूची में शामिल होने की संभावना का संकेत दिया। जे.डी के बयान ने प्रशंसकों के उत्साह को चरम पर पहुंचा दिया है। पायने ने अभिनेता मेगन रिचर्डस और मार्केला कावेनघ के साथ सीरीज में ऋतिक रोशन की संभावित भागीदारी पर चर्चा की। पायने ने बताया, पिछली बार जब मैं मुंबई में था, तो हमारी मुलाकात ऋतिक रोशन से हुई थी। वह अद्भुत थे। अगर सही भूमिका मिलती है तो दरवाजे खुले रहेंगे, अवसर मौजूद हैं। इस बयान ने उन प्रशंसकों के बीच उत्साह बढ़ा दिया है जो ग्रीक गॉड को फैंटेसी सीरीज में देखने के लिए उत्सुक हैं। जब द रिंग्स ऑफ पावर के आने वाले सीजन में अन्य भारतीय अभिनेताओं को शामिल करने के बारे में सवाल किया गया, तो पायने ने खुलासा किया कि शो में मेरिमैक की भूमिका निभाने वाले गैवी सिंह चेरा कलाकारों का हिस्सा हैं। उन्होंने कहा, हमने वास्तव में सीजन 2 में भारतीय अभिनेताओं को कास्ट किया...गैवी सिंह चेरा, वह बिल्कुल अद्भुत है।

स्त्री 3 में विलेन की भूमिका में नजर आएंगे अक्षय कुमार?

स्त्री 2 बॉक्स ऑफिस पर सफलता के झंडे गाड़ रही है। यह पहली हॉरर कॉमेडी फिल्म है, जो इतनी शानदार कमाई कर रही है। अमर कौशिक की इस फिल्म को देखने के लिए बड़ी संख्या में लोग सिनेमाघरों का रुख कर रहे हैं। फिल्म में अक्षय कुमार के कैमियो की भी खूब चर्चा हुई थी। अब हाल ही में, अक्षय कुमार के कैमियो पर लेखक निरेन भट्ट ने कुछ दिलचस्प खुलासे किए हैं। इस फिल्म की सबसे खास बात यह है कि न सिर्फ मुख्य कलाकार ही सबका ध्यान अपनी ओर नहीं खींच रहे हैं, बल्कि कैमियो भी सभी को पसंद आ रहे हैं। स्त्री 2 में अभिनेता अक्षय कुमार के कैमियो ने काफी चर्चा बटोरी है। हाल ही में, एक इंटरव्यू में फिल्म के लेखक निरेन भट्ट ने अक्षय के किरदार पर आधारित एक स्टैंडअलोन फिल्म की संभावना पर चर्चा की है। अक्षय के किरदार के भविष्य के बारे में पूछे जाने पर और क्या स्त्री यूनिवर्स की भविष्य के सीक्वल में उन्हें और अधिक प्रमुखता से पेश करने की योजना है। इस सवाल पर लेखक निरेन भट्ट ने बताया, मैं ज्यादा कुछ नहीं बता पाऊंगा। लेकिन, निश्चिंत रहें, हमारे पास यूनिवर्स के हर किरदार के लिए योजनाएं हैं। यहां तक कि उनमें से सबसे छोटे और सबसे बड़े किरदार के लिए भी। उन्होंने सुझाव दिया कि भविष्य में अक्षय की भूमिका और भी महत्वपूर्ण भूमिका में बदल सकती है। बता दें कि स्त्री 2 ने 14 अगस्त की रात को रिलीज होते ही बॉक्स ऑफिस पर तूफान मचा दिया। इस हॉरर-कॉमेडी को बॉलीवुड में अक्षय कुमार की खेल खेल में और जॉन अब्राहम की वेदा जैसी रिलीजों से टक्कर लेनी पड़ी। अमर कौशिक द्वारा निर्देशित स्त्री 2 में श्रद्धा कपूर, अपारशक्ति खुराना, पंकज त्रिपाठी और अभिषेक बनर्जी भी महत्वपूर्ण भूमिकाओं में हैं।

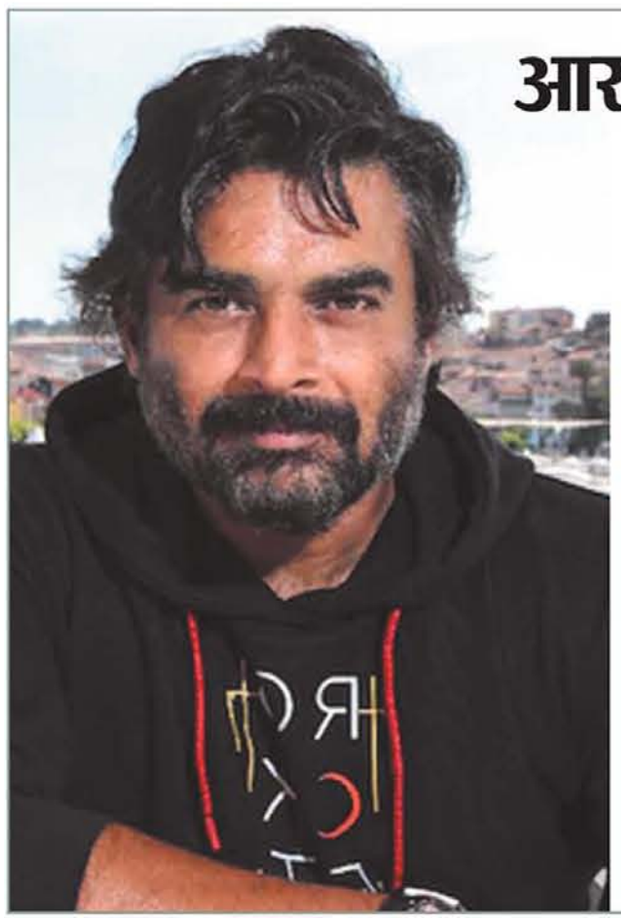

आर माधवन ने ठुकराया पान मसाला कंपनी का ब्रांड अंबेसडर बनने का प्रस्ताव

साल की पहली हिट हॉरर फिल्म 'शैतान' में विलेन के रोल में नजर आए अभिनेता आर माधवन इन दिनों खुद को नित नई चुनौती देने वाले किरदारों की तलाश में हैं। माधवन इन दिनों लंदन में अपनी अगली फिल्म की शूटिंग में व्यस्त है। यह एक स्पोर्ट्स ड्रामा फिल्म है। इसके अलावा वह मशहूर इंजीनियर गोपालस्वामी दुरईस्वामी की बायोपिक में भी काम करने जा रहे हैं। इस बीच, आर माधवन ने एक बड़ी पान मसाला कंपनी का ब्रांड अंबेसडर बनने का प्रस्ताव ठुकरा दिया है। ये कंपनी उन्हें सिर्फ अपनी फोटो छापने देने के एवज में करोड़ों रुपये देने का प्रस्ताव दे चुकी है। पान मसाला कंपनियों ने इन दिनों देश के हिंदी, तमिल, तेलुगु और यहां तक के हॉलीवुड सितारों तक के लिए अपनी तिजोरियां खोल रखी हैं। पियर्स ब्रॉसनन वाला विज्ञापन तो लोगों को अब तक याद है। इसके अलावा अमिताभ बच्चन, रणवीर सिंह, अजय देवगन, अक्षय कुमार, शाहरुख खान और मनोज बाजपेयी तक सब किसी न किसी पान मसाले का विज्ञापन करते नजर आते ही रहते हैं। साउथ में महेश बाबू और युवा पीढ़ी के सितारों में टाइगर श्रॉफ तक पान मसाला विज्ञापनों में नजर आ चुके हैं। जानकारी के मुताबिक उत्तर प्रदेश की एक बड़ी पान मसाला कंपनी को इन दिनों एक ऐसे घरेलू चेहरे की तलाश है जो उनके मसाले की पहुंच युवाओं के बीच और बढ़ा सके। सूत्र बताते हैं कि हिंदी सिनेमा के एक दो बड़े नामों की चर्चा के बाद संबंधित पान मसाला कंपनी को आर माधवन का प्रोफाइल और उनकी फैन फॉलोइंग काफी पसंद आई है। इस बारे में कंपनी ने ग्राउंड रिसर्च भी काफी की और पता चला कि माधवन पर दर्शकों का भरोसा और उनकी फिल्मों को लेकर बनी उनकी छवि का उनकी असल जिंदगी से सीधा तारतम्य बैठता है। ब्रांड की छवि के साथ माधवन की भरोसे की छवि के मैच होने का भी इस चुनाव को फायदा मिला। माधवन को पान मसाले के विज्ञापन का ये प्रस्ताव काफी उम्मीद से भेजा गया था और पान मसाला कंपनी को उम्मीद थी कि उनके प्रस्ताव को वह स्वीकार कर भी लेगें। लेकिन, सूत्र बताते हैं कि माधवन ने करोड़ों का ये प्रस्ताव पहली बार में ही नकार दिया। माधवन इन दिनों फिल्म और टीवी प्रशिक्षण संस्थान, पुणे के अध्यक्ष भी हैं और शुरू से उन्होंने खुद को ऐसे विज्ञापनों से दूर ही रखा है जो युवाओं के सेहत पर बुरा असर डालते हैं। यहां दिलचस्प ये भी है कि युवाओं में अपनी फिटनेस के लिए काफी मशहूर रहे अक्षय कुमार और टाइगर श्रॉफ दोनों पान मसाला का विज्ञापन करते हैं और दोनों की फिल्में लगातार फ्लॉप होती रही हैं। मनोज बाजपेयी ने भी लंबे समय तक एक पान मसाला का विज्ञापन किया और बड़े परदे पर बतौर हीरो उनकी पारी भी करीब करीब पूरी हो चुकी है। रणवीर सिंह का फिल्मी करियर भी पान मसाला का विज्ञापन करने के बाद से डांवाडोल ही चल रहा है। अमिताभ बच्चन, शाहरुख खान और अजय देवगन ही ऐसे सितारे हैं जिनके पान मसाला विज्ञापन करने के बाद भी उनकी सिनेमाई ब्रांड वैल्यू पर ज्यादा असर नहीं पड़ा है।

कोहरा 2 का हुआ एलान, इस बार नए रहस्यों से पर्दा उठाएंगे बरुण सोबती

ओटीटी पर यूं तो बड़ी संख्या में वेब सीरीज मौजूद हैं, लेकिन कुछ ही ऐसे शोज हैं, जिन्होंने लोगों के मन में गहरी छाप छोड़ी हैं। नेटफ्लिक्स की कोहरा भी उन्हीं में एक है। इस शो को समीक्षकों के साथ आम लोगों ने भी खूब पसंद किया। अब इसका दूसरा सीजन भी जल्द ही दर्शकों देखने को मिल सकेगा। ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स ने इस क्राइम थ्रिलर सीरीज के दूसरे सीजन की घोषणा कर दी। अभिनेता बरुन सोबती इस सीजन में अपने किरदार को फिर से निभाते दिखेंगे। वहीं, मोना सिंह की भी अब शो में एंट्री हो गई है। इस शो का निर्देशन सुदीप शर्मा फैसला रहमान के साथ मिलकर करेंगे। इसका निर्माण एक्ट थ्री प्रोडक्शंस और फिल्म स्क्वाड प्रोडक्शंस की ओर से किया जाएगा। शो में लोगों को नए रहस्यों की नई खोजबीन देखने को मिलेगी।

UPITS-2024 को सफल बनाये आरडब्ल्यूए व मीडिया: डीएम

नोएडा (चेतना मंच)। गौतमबुद्धनगर के जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा ने बातचीत की। इस चर्चा में उनके साथ डॉ. राकेश कुमार, चेयरमैन, आईईएमएल भी

शामिल थे। बातचीत का मुख्य फोकस व्यापार मेले में सामुदायिक भागीदारी को बढ़ावा देना था, जो उत्तर प्रदेश की समृद्ध औद्योगिक और व्यापार क्षमताओं को प्रदर्शित करने की एक पहल है। आरडब्ल्यूए के प्रतिनिधियों ने अपने समाजों और समुदायों में इस व्यापार मेले को प्रचारित करने में अपना पूर्ण समर्थन देने का आश्वासन दिया। इसके अलावा, उन्होंने लॉजिस्टिक्स, जैसे ट्रैफिक प्रबंधन, परिवहन, खाद्य व्यवस्था और सामुदायिक गतिविधियों पर महत्वपूर्ण सुझाव भी दिए, ताकि इस आयोजन के दौरान सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित की जा सके। जिससे यह व्यापार मेला एक बड़ी सफलता बन सके।

श्री वर्मा ने लगभग 60 मीडिया समूहों (इलेक्ट्रॉनिक और प्रिंट) के प्रतिनिधियों के साथ प्रेरक चर्चा की। इस चर्चा का उद्देश्य उत्तर प्रदेश और पड़ोसी राज्यों में UPITS 2024 को बढ़ावा देना और प्रचारित करना था। मीडिया प्रतिनिधियों ने इस कार्यक्रम की दृश्यता और पहुंच को बढ़ाने के लिए महत्वपूर्ण सुझाव दिए और इस प्रमुख व्यापार मेले के बारे में जागरूकता फैलाने में सक्रिय रूप से भाग लेने का आश्वासन दिया।

डीएम मनीष कुमार वर्मा, आईएएस, ने मीडिया प्रतिनिधियों और आरडब्ल्यूए सदस्यों से आग्रह किया कि वे उत्तर प्रदेश अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेले को एक बड़ी सफलता बनाने के लिए अपना पूर्ण समर्थन दें। उत्तर प्रदेश के लिए इस आयोजन के महत्व को रेखांकित करते हुए, श्री वर्मा ने बताया कि यह केवल एक व्यापार मेला नहीं है, बल्कि राज्य की समृद्ध सांस्कृतिक धरोहर, शिल्पकला, और औद्योगिक उत्कृष्टता को वैश्विक मंच पर प्रदर्शित करने का एक अनूठा अवसर है।

डॉ. राकेश कुमार, चेयरमैन, आईईएमएल ने भी मीडिया और समुदायों से सामूहिक रूप से काम करने का आह्वान किया ताकि इस आयोजन के प्रभाव को अधिकतम किया जा सके, जिससे यह क्षेत्र के गौरव और समृद्धि का प्रतीक बन सके।

इंडिया एक्सपो सेंटर और मार्ट, ग्रेटर नोएडा में उत्तर प्रदेश अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेले के दूसरे संस्करण के लिए जन सहभागिता और जन जागरूकता को बढ़ावा देने की अपील की है।

पहली बैठक में, श्री वर्मा ने विभिन्न समुदायों के लगभग 50 निवासी कल्याण संघ (आरडब्ल्यूए) के प्रतिनिधियों के साथ

आईटी ने रेलवे में सुविधाओं को बनाया बेहतर : कुमार

नोएडा (चेतना मंच)। रेलवे माल ढुलाई, सिग्नलिंग, रेलवे आरक्षण से संबंधित आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और डेटा विज्ञान के क्षेत्र में शोधार्थियों और छात्रो द्वारा किये जा रहे अनुसंधान एंव परियोजनाओं पर चर्चा करने के लिए रेलवे मंत्रालय के रेल सूचना प्रणाली केंद (क्रिस) के एमडी जीवीएल सत्या कुमार ने किया एमिटी विश्वविद्यालय का दौरा किया।

रेलवे मंत्रालय के रेल सूचना प्रणाली केंद्र (क्रिस) के एमडी जीवीएल सत्या कुमार ने कहा कि क्रिस प्रतिभावान आईटी पेशेवरों और अनुभवी रेल कर्मचारियों का एक अनोखा संयोजन है जो इसे आधारभूत क्षेत्रों में अत्यधिक सफलता सहित जटिल रेल आईटी प्रणालियां प्रदान करने में सक्षम बनाता है। अपनी शुरुआत से ही क्रिस भारतीय रेल के टिकट प्रणाली, माल यातायात सेवाएं, परिचालन, परिसंपत्ति प्रबंधन आदि महत्वपूर्ण क्षेत्रों के लिए सॉफ्टवेयर विकसित और उनकी देखरेख कर रहा है।

श्री कुमार ने कहा कि भारतीय रेलवे विश्व का चतुर्थ सबसे बड़ा रेलवे नेटवर्क है जिसमें हर लोग 22 मिलियन लोग हर दिन यात्रा कर रहे है। आधुनिक नई प्रौद्योगिकियों की क्षमता को समझते हुए, क्रिस गाड़ी मार्ग ईष्टतमीकरण, क्षमता आवर्धन, गाड़ी देरी का अनुमान लगाना और प्रतीक्षा सूची समाप्त करना, रेल परिसंपत्तियों का भविष्यिक अनुरक्षण, ऊर्जा उपभोग का अनुमान लगाना, समय-सारणी आदि निष्पादित करने के लिए ब्लॉकचेन, आर्टीफिशियल इंटेलीजेंस, बिगडेटा, बिजनस इंटेलीजेन्स, क्लाऊड सेवाओं (निजी के साथ-साथ सार्वजनिक क्लाऊड), एजिलिटी, चैटबॉट्स, आईओटी आदि जैसी भावी नई प्रौद्योगिकियों को शामिल कर रही है। उन्होनें शोधार्थियों और वैज्ञानिकों आ रही चुनौतियों और समस्याओं की जानकारी दी और इसके निवारण हेतु शोध करने के लिए प्रेरित किया।

इस अवसर पर श्री कुमार के साथ एमडी की टेक्निकल सलाहकार श्रीमती पूनम कुमारी साहा, वरिष्ठ प्रोजेक्ट इंजीनियर पितांबर वर्मा और प्रिसिंपल प्रोजेक्ट इंजीनियर अंकुर रस्तोगी भी शामिल थे। इस अवसर पर एमिटी विश्वविद्यालय की वाइस चांसलर डा बलविंदर शुक्ला, एमिटी साइंस टेक्नोलॉजी एंड इनोवेशन फांउडेशन के अध्यक्ष डा डब्लू सेल्वामूर्ती और एमिटी विश्वविद्यालय के ट्रांसशेनल रिसर्च एंड एंटप्रिन्यौरशिप डेवलपमेंट के डीन डा. बी के मूर्ती ने प्रतिनिधिमंडल का स्वागत किया।

शारदा विवि. में अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। ग्रेनो के नॉलेज पार्क स्थित शारदा विश्वविद्यालय में इलेक्ट्रिकल

इलेक्ट्रॉनिक्स और कंप्यूटर प्रौद्योगिकी पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि भूतपूर्व मुख्य सचिव दुर्गाशंकर मिश्रा,मिनिस्ट्री ऑफ कम्युनिकेशन के डायरेक्टर जनरल जीआर रवि, डिप्टी डायरेक्टर जनरल राधाचरण शाक्या,मिनिस्ट्री ऑफ इलेक्ट्रॉनिक्स और इनफर्मेशन टेक्नोलॉजी के डिप्टी डायरेक्टर जनरल आईपीएस सेठी, विश्वविद्यालय के चांसलर पीके गुप्ता, प्रो चांसलर वाईके गुप्ता ने दीप जलाकर सम्मेलन का शुभारंभ किया।कार्यक्रम में भूतपूर्व मुख्य सचिव ने कहा कि भारत सरकार रिसर्च करने के लिए फंड दे रही है। आप अच्छे आइडिया लाएं उनपर काम करिए जो समाज और देश को आगे बढ़ाने में कार्य किया जा सके। देश में पासपोर्ट, गाडी चलाने के लाइसेंस आदि भी आनलाइन भरे जा रहे हैं। कई विभागों के कॉन्फिडेंशियल रिपोर्ट आनलाइन भरे जा रहे हैं। शिकायतें आनलाइन की जा सकती है। सभी विभागों कई बहुत सारी जानकारी आनलाइन उपलब्ध है। सूचना प्रौद्योगिकी हमारे कार्यबल, व्यावसायिक संचालन और सूचना तक व्यक्तिगत पहुँच के इतने बड़े हिस्से के लिए जिम्मेदार है कि यह हमारी दैनिक गतिविधियों का एक बड़ा हिस्सा बन जाती है।

इस दौरान वाइस चांसलर डॉ सिबाराम खारा, प्रो वाइस चांसलर डॉ परमानंद,पीआर डायरेक्टर डॉ अजीत कुमार, डॉ सुमन लता धर समेत प्रशासन और प्राधिकरण के अधिकारी मौजूद रहे।

आयुष मिशन का लाभ उठाये जनपदवासी

नोएडा (चेतना मंच)। जनपद वासियों को आयुष मिशन के कार्यक्रमों का लाभ पहुंचाने के उद्देश्य से जिला अधिकारी गौतम बुद्ध नगर मनीष कुमार वर्मा की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट के सभागार में आयुष समिति की बैठक संपन्न हुई।

क्षेत्रीय आयुर्वेदिक एवं यूनानी अधिकारी डॉ धर्मेंद्र कुमार केम ने जिलाधिकारी को अवगत कराया कि जिला आयुष सोसायटी के खाते में उपलब्ध धनराशि से योग प्रशिक्षण एवं सहायक के वेतन का भुगतान जुलाई 2024 तक किया जा चुका है। साथ ही जनपद में दो योग वैलनेस सेंटर कार्यरत हैं तथा दोनों पर ही एक-एक योग प्रशिक्षक एवं एक-एक योग सहायक कार्यरत हैं। जनपद में दो राजकीय आयुष चिकित्सालय सूरजपुर एवं भाईपुर का निर्माण कार्य पूर्ण हो चुका है।

उन्होंने यह भी बताया कि आईएमपीसीएल के माध्यम से नियमित दवाई की आपूर्ति हो रही है, जिसे समय अनुसार विभिन्न चिकित्सालयों में आवश्यकता अनुसार वितरण किया जा रहा है एवं चिकित्सालय में आयुष औषधियां पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध हैं तथा औषधियों का रखरखाव उचित प्रकार से किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि जनपद में योग प्रशिक्षकों द्वारा पार्कों में नियमित रूप से योग अभ्यास कराया जा रहा है। प्रतिमाह आयुर्वेदिक/यूनानी औषधियां के सैंपल राजकीय विश्लेषक लखनऊ को परीक्षण हेतु प्रेषित किए जा रहे हैं। आयुष आपके द्वार शिविरों का आयोजन।

जिलाधिकारी अधिकारी ने जिला आयुष समिति की बैठक की समीक्षा करते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश शासन द्वारा जनपद में जो आयुष मिशन के कार्यक्रम संचालित किये जा रहे हैं, उनका व्यापक प्रचार प्रसार सुनिश्चित कराया जाए, ताकि जनपद के अधिक से अधिक लोग आयुष मिशन के कार्यक्रमों का लाभ उठा सकें एवं जनपद में संचालित योग वैलनेस सेंटर का मानकों के अनुरूप संचालन करते हुए अधिक से अधिक लोगों को योग के लिए प्रेरित किया जाए।

उन्होंने कहा कि जनपद में योग प्रशिक्षकों द्वारा जिला चिकित्सालय में नियमित रूप से योग अभ्यास कराया जाए एवं आयुष आपके द्वार शिविरों का आयोजन किया जाए।

इस महत्वपूर्ण बैठक में क्षेत्रीय आयुर्वेदिक एवं यूनानी अधिकारी डॉ धर्मेंद्र कुमार केम, जिला विद्यालय निरीक्षक डॉक्टर धर्मवीर सिंह, जिला आबकारी

SAHARA BUILDER & PROPERTIES™
ISO 9001:2008
PROPERTIES AVAILABLE FOR SALE IN GREATER NOIDA

RESIDENTIAL

S.No	Plot Size	House No./Block	Price	Other Details
1	300 Sq.mtr	C-291, Sigma - 02	92 Lakh	Completion, S/W
2	200 Sq.mtr	G-660, Alpha - 02	1.25 Cr.	Completion,N/E & 18 MTR Road
3	60 Sq.mtr	G-439, Gamma - 02	52 Lakh	Single Story, Corner(18X12),N/E
4	1265 Sq.ft	Silver City - 02, PI-1	55 Lakh	2+1 BHK Apartment
5	29.76 Sq.ft	3TF/Block-60, Sector - 10	9 Lakh	1 BHK, Top Floor
6	2450 Sq.ft	Royal Apartment(Duplex), Sigma - 04	On Request	4BHK, Low rise, Lift
7	237 Sq.mtr	C-363, Sector - 03(EXTN)	1.40 Cr.	50% Completion, Corner, N/ W
8	110 Sq.mtr	5% Plot, CHI PHI EXTN	23000/Sq.Mtr.	Corner Plot
9	131 Sq.mtr	5% Plot, CHI PHI EXTN	23000/Sq.Mtr.	Corner Plot
10	930 Sq.mtr	5% Plot, CHI PHI EXTN	14000/Sq.Mtr.	Corner Plot

COMMERCIAL

S.No	Shop Size	Complex Address	Price	Other Details
1	29.5 Sq.mtr	Block - C, Alpha - 01	95 Lakh	G.Floor, Corner, N/E
2	463 Sq.ft	NQI Plaza, Alpha - 01	95 Lakh	G.Floor, N/E
3	19.5 Sq.mtr	Kadamba Shopping Complex, Gamma -01	40 Lakh	G.Floor, N/W
4	8.15 Sq.mtr	Kiosk, P-3	22 Lakh	24 Mtr Road, N/W

CONTACT US :+919810441077, +919710441077
Add- Office No. 205, Sunrise Tower, Alpha 1
Commercial Belt, Gr.Noida, G.B.Nagar, U.P-2010308

केटीएम बाइक गैंग का खुलासा, गोली से घायल हुआ बदमाश

नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा के मोरना और थाना-49 क्षेत्र में चेन स्नैचिंग करने वाले केटीएम बाइक गैंग के

बदमाशों को पकड़कर जब नोएडा पुलिस लूट का सामान बरामद करवाने गई तो बदमाशों ने बैग में छिपाकर रखे तमंचे से पुलिस पर फायर कर दिया। पुलिस ने भी जवाबी कार्यवाही की जिसमें एक बदमाश घायल हो गया।

एडीसीपी नोएडा मनीष कुमार मिश्रा ने बताया कि थाना सेक्टर-24 पुलिस ने केटीएम बाइक से मोबाइल व चेन स्नेचिंग करने वाले तीन बदमाशों शिवम कालू पुत्र राजेश निवासी नवी करीम किला कदम शरीफ मकान नंबर 6772 दिल्ली उम्र 21 वर्ष, अनिकेत गुप्ता पुत्र दीपू गुप्ता निवासी ब्रह्मपुरी गली नंबर 66 बी- 152 बी, नियर शिव मंदिर दिल्ली उम्र 22 वर्ष व गौतम पुत्र गोविंद निवासी रविदास गली नवी करीम पहाड़गंज नई दिल्ली उम्र 25 वर्ष को गिरफ्तार किया गया था। जिनके कब्जे से सेक्टर 24 पुलिस द्वारा एक चाकू, एक तमंचा 315 बोर व दो जिंदा कारतूस 315 बोर तथा 10000 नगद बरामद किए गए थे।

पूछताछ में गौतम पुत्र गोविंद ने तीन दिन पहले सेक्टर-39 थाना क्षेत्र अंतर्गत सेक्टर-100 के सामने से एक व्यक्ति से सोने की चेन स्नेचिंग करने की घटना को अपने साथियों के साथ करना स्वीकार किया था तथा लूट के माल को सेक्टर-42 के जंगल में रखना बताया था। लूट के माल की बरामदगी के लिए थाना सेक्टर-39 व थाना सेक्टर-24 की संयुक्त टीम के द्वारा लूट के माल की सेक्टरी-42 के जंगल में अभियुक्त गौतम को लेकर पहुंचे तभी बदमाश गौतम ने बैग से तमंचा निकालकर जान से मारने की नीयत से पुलिस पर फायर किया तथा भागने का प्रयास किया। पुलिस द्वारा की गयी जवाबी फायरिंग में अभियुक्त गौतम पुत्र गोविंद के दाहिने पैर में गोली लगी है जिसको उपचार के लिए जिला अस्पताल भेजा गया है। मौके से एक तमंचा 315 बोर व एक खोखा कारतूस तथा तीन अलग-अलग कंपनियों के मोबाइल व 4000 नगद बरामद किए गए हैं। उन्होंने बताया कि गैंग के अन्य सदस्यों को भी जल्द गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

गौतमबुद्धनगर में 'उ0प्र0 पुलिस आरक्षी भर्ती परीक्षा' को सकुशल सम्पन्न कराने के दृष्टिगत परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया गया तथा ड्यूटीरत पुलिस बल को आवश्यक दिशा-निर्देश दिये गये। ACP-2 ग्रेटर नोएडा द्वारा परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया गया।

GRV BUILDCON
Concept to reality
ARCHITECTURE/ CONSTRUCTION / INTERIORS
WE DON'T DESIGN HOME/ OFFICE
WE DESIGN DREAMS!

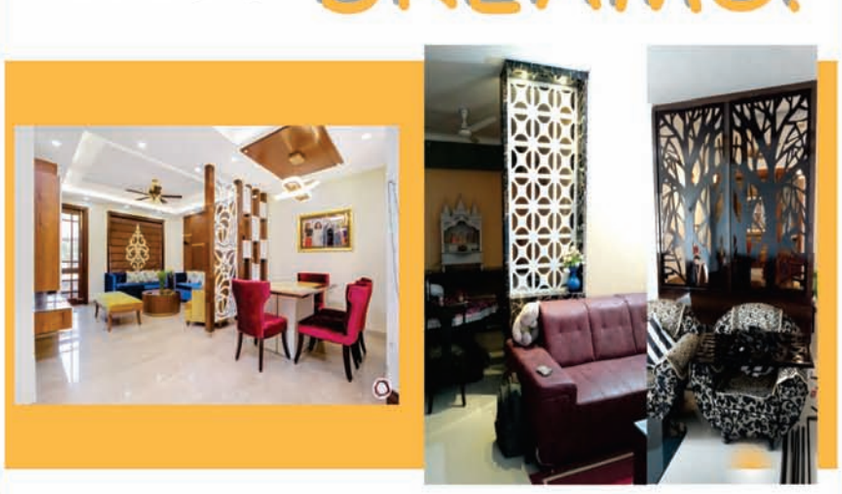

Certified by :
ISO 9001 CERTIFIED | startupindia | MSME
Contact Us : 9999472324, 9999082512
www.grvbuildcon.com